फाल्गुन शुक्ल - 2 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 227 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 12-03-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 यह चुनाव काम करने वाले और काम नहीं करने वालों के बीच : राजीव चंद्रशेखर

6 सावित्री बाई फुले : भारतवर्ष में नारी शिक्षा की प्रणेता

7 लोकसभा चुनाव महाभारत की तरह अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई : नकवी

मोदी सरकार की गारंटी

सबकी सुरक्षा

विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान; 220 करोड़ से अधिक टीके लगे

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

हमारा संकल्प विकसित भारत

CBC 22201/13/0346/2324

BSE 73,502.64 (-616.75) | NSE 22,332.65 (-160.90)

सोना 6,599 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 74,175 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सीएए की साख

अपराध सिर्फ इतना सा था,
कुछ लोगों के थे कलुषित मन।
दर-दर भटके बेगाने हो,
अभिशप्त बना जिनका जीवन।
जो रहे प्रताड़ित उनको अब,
अधिकार मिलेगा कानूनन।
जो विस्थापित अपने घर से,
वो होंगे भारतवासी जन।।

देश में सीएए लागू, केंद्र ने की घोषणा

- **पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने का रास्ता साफ**
- **सीएए को दिसंबर, 2019 में संसद में पारित किया गया था और बाद में इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई थी।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सोमवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए)-2019 को लागू करने की घोषणा की। विवादास्पद कानून को पारित किये जाने के चार साल बाद केंद्र के इस कदम के कारण पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने का रास्ता साफ हो गया है।

लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की संभावित घोषणा के पहले ही सीएए से जुड़े नियमों को अधिसूचित कर दिया गया।

सीएए के नियम जारी हो जाने के साथ ही अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार इन तीन देशों के प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों (हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई) को भारतीय नागरिकता देना शुरू कर देगी।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक और प्रतिबद्धता पूरी की है और संविधान निर्माताओं के वादे को साकार किया है।

गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा,''नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 कहे जाने वाले ये नियम सीएए-2019 के तहत पात्र व्यक्तियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाएंगे।'' प्रवक्ता ने कहा, ''आवेदन पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में जमा किए जाएंगे जिसके लिए एक वेब पोर्टल उपलब्ध कराया गया है।'' एक अधिकारी ने कहा कि आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा।

सीएए को दिसंबर, 2019 में संसद में पारित किया गया था और बाद में इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई थी। लेकिन इसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये थे।

यह कानून अब तक लागू नहीं हो सका था क्योंकि इसके कार्यान्वयन के लिए नियमों को अब तक अधिसूचित किया जाना बाकी था। ये नियम अब पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक आधार पर प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को हमारे देश में नागरिकता प्राप्त करने में सक्षम बनाएंगे। शाह ने 'एक्स' पर कहा, ''इस अधिसूचना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक और प्रतिबद्धता पूरी की है और उन देशों में रहने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों के लिए हमारे संविधान के निर्माताओं के वादे को साकार किया है।''

इस अधिसूचना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक और प्रतिबद्धता पूरी की है और उन देशों में रहने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों के लिए हमारे संविधान के निर्माताओं के वादे को साकार किया है। – अमित शाह

नियमों की अधिसूचना जारी करने के लिए नौ बार अवधि में विस्तार की मांग करने के बाद चुनाव से ठीक पहले का समय स्पष्ट रूप से चुनावों में ध्रुवीकरण करने के लिए तय किया गया है, खासकर पश्चिम बंगाल और असम में। – जयराम रमेश

सीएए नहीं छीनेगा किसी भारतीय की नागरिकता

नई दिल्ली/भाषा। संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए), 2019 किसी भी भारतीय की नागरिकता नहीं छीनेगा, चाहे वह किसी भी धर्म का क्यों न हो। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सीएए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के चलते 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में शरण लेने वालों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान करता है। नागरिकता अधिकार उनकी सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक पहचान की रक्षा करेगा तथा यह आर्थिक, वाणिज्यिक, मुक्त आवाजाही और संपत्ति खरीदने का अधिकार भी सुनिश्चित करेगा। उत्पीड़ित छह समुदायों में हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि यह कानून पुनर्वास के लिए कानूनी बाधाओं को दूर करेगा और नागरिकता प्रदान कर दशकों से पीड़ित शरणार्थियों के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करेगा।

जब हमारे अपने त्योहार में घर से दूर होते हैं

तब आप हमारा परिवार बनकर उनके साथ खड़े रहते हैं

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

- प्रधानमंत्री जी हर दिवाली बिताते हैं **सेना के जवानों के साथ**
- **सर्जिकल-एयर स्ट्राइक** से आतंकवाद पर प्रहार
- **अत्याधुनिक हथियारों** से सेना की बढ़ाई क्षमता
- **डिफेंस एक्सपोर्ट** में 23 गुना से ज्यादा बढ़ोत्तरी
- **वन रैंक-वन पेंशन से** ₹ 95 हज़ार करोड़ का भुगतान

देश की सुरक्षा दमदार »
मेरा भारत, मेरा परिवार

cbc 22201/13/0348/2324

मैसूरु और डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के रेलवे नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त ट्रेन संख्या 20663/20664 मैसूरु-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-मैसूरु वंदे भारत एक्सप्रेस 12 मार्च को हरी झंडी दिखाने के लिए तैयार हैं। यह उद्घाटन भारतीय रेलवे के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर मनाते हुए एक वीडियो लिंक के माध्यम से होगा।

उद्घाटन विशेष सेवा :

उद्घाटन अवसर पर ट्रेन संख्या 02664 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से एसएमवीटी बेंगलूरु तक एक विशेष सेवा के रूप में चलेगी। 12 मार्च को सुबह 09:15 बजे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से अपनी यात्रा शुरू करेगी। यह ट्रेन काटपाडी (10:48/10:50सुबह) और कृष्णराजपुरम (01:50/01:52 अपराह्न), उसी दिन दोपहर 02:20 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। उद्घाटन विशेष ट्रेन में कुल 8 डिब्बे शामिल हैं।

5 अप्रैल से नियमित सेवा प्रारंभ

नियमित सेवा, ट्रेन नंबर 20663/20664 मैसूरु-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-मैसूरु वंदे भारत एक्सप्रेस 5 अप्रैल से दोनों तरफ अपनी नियमित सेवा शुरू करेगी।

ट्रेन संख्या 20663 मैसूरु से सुबह 06:00 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को छोड़कर सभी दिनों में दोपहर 12:25 बजे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन मंड्या (सुबह 06:28/06:30 बजे), केएसआर बेंगलूरु सिटी (सुबह 07:45/07:50 बजे), कृष्णराजपुरम (सुबह 08:04/08:06 बजे) और काटपाडी (10 बजे :33/10:35 पूर्वाह्न)) पर रुकेगी।

वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 20664 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से बुधवार को छोड़कर शाम 05:00 बजे रवाना होगी और रात 11:20 बजे मैसूरु पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन काटपाडी (सायं 06:23/06:25 बजे), कृष्णराजपुरम (रात्रि 08:48/08:50 बजे), केएसआर बेंगलूरु (रात्रि 09:25/09:30 बजे) और मंड्या (रात्रि 10:30-38/10:40) पर रुकेगी।

जब तक मैसूरु में रखरखाव की सुविधा चालू नहीं हो जाती, तब तक उपरोक्त ट्रेन नियमित रूप से नीचे उल्लेखित विस्तृत समय के अनुसार सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु और डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के बीच बेंगलुरु क्षेत्र में रखरखाव के साथ संचालित होगी।

ट्रेन नंबर 20663 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस 14 मार्च से 4 अप्रैल तक सुबह 07:50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से प्रस्थान करेगी और बुधवार को छोड़कर सभी दिनों में दोपहर 12:25 बजे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन कृष्णराजपुरम और काटपाडी पर रुकेगी।

वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 20664 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस बुधवार को छोड़कर 14 मार्च से 4 अप्रैल तक शाम 5 बजे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से रवाना होगी रात 09:30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेंगी। वंदे भारत एक्सप्रेस में 8 कोच होंगे, जिनमें 4 मोटर कार, 1 ट्रेलिंग कार, 1 एक्जीक्यूटिव क्लास/ट्रेलिंग कार और 2 ड्राइविंग ट्रेलर कार शामिल हैं। इस नई ट्रेन सेवा का उद्देश्य कनेक्टिविटी को बढ़ाना और यात्रियों को मैसूरु और डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के बीच एक आरामदायक और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

श्याम सेवा संघ ने निकाली निशान यात्रा, अर्पण किए 501 निशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्याम सेवा संघ द्वारा फागण महोत्सव के अंतर्गत खाटू वाले बाबा श्याम की निशान यात्रा का आयोजन किया। बन्नरघट्टा रोड पर स्थित श्री देवी मुकाम्बिका मन्दिर में बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया गया, भजन कीर्तन के आयोजन के साथ फूलों की होली खेलते हुए निशान पूजा की तथा एक हजार से अधिक श्याम भक्तों ने पैदल यात्रा करते हुए श्याम मंदिर में 501 निशान अर्पण किए।

इस निशान यात्रा में शामिल श्याम बाबा का दरबार सजा रथ आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। आयोजन समिति के सदस्यों ने उपस्थित भक्तों एवं श्याम मंदिर कमेटी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

दादा राजेन्द्रसूरी की आरती में शामिल हुए बच्चे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधर स्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर मामुलपेट के तत्वावधान में दादा गुरुदेव की विशेष आरती का आयोजन किया जिसमें बच्चों ने दर्शन, पूजा व भक्ति का आनंद लिया। गायक पूजा लुणिया, दिनेश बाफना ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर पूजा करने वाले 80 बच्चों को पुरस्कार दि गए। आरती के लाभार्थी घेवरचन्द मिश्रीमल सालेचा परिवार ने आरती की जिसमें लब्धि सूरी धार्मिक पाठशाला चिकपेट व ऋषभ संस्कार वाटिका के बच्चों ने भी भाग लिया। इस मौके पर अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, सचिव महावीर मेहता, राजू मकराणी आदि सदस्य उपस्थित थे।

दादी धाम प्रचार समिति का 'होलिकोत्सव' 25 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय दादी धाम प्रचार समिति का मासिक उत्सव,मंगलपाठ एवं भजन-संध्या गोविन्द पीयूष चूड़ीवाला के निवास पर सम्पन्न हुआ जिसमें दादी का दरबार सजाया गया। जया चौधरी एवं सिद्धार्थ नोपानी ने संगीतमय ढंग से दादी के मंगलपाठ की प्रस्तुति दी। गायक अनूप अग्रवाल, किशन बगड़िया, कैलाश जालान एवं संजय चौधरी ने दादीजी एवं अन्य देवी देवताओं के भजनों की प्रस्तुति दी। समिति एवं आयोजक परिवार की तरफ से दादीजी को चूड़ा-चुनड़ी भेंट कर गजरा, चुनड़ी, मेहँदी उत्सव,56 भोग, सवामणी,भव्य श्रृंगार,महाप्रसाद की व्यवस्था की। इस मौके पर अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

शिवकुमार टेकड़ीवाल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी होलिकोत्सव का त्यौहार 25 मार्च को प्रातः 10 बजे से सलारपुरिया अनुगृह के कल्प हॉउस में आयोजित किया गया है। सचिव संजय चौधरी ने बताया कि इस मौके पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति होगी। कोषाध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने बताया कि इसमें दादी भक्तों के साथ फूल, चन्दन, केसर व इत्र के साथ होली खेली जाएंगी।

जैन अणुप्पेहा ध्यान योग साधना से जीवननिर्माण एवं आत्मविकास संभव : समणी सुयशनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। जयगच्छाधिपति बारहवें पट्टधर आचार्यश्री पार्श्वचंद्र महाराज के आज्ञानुवर्ती एसएस जैन समणी मार्ग के प्रारंभकर्ता डॉ. पदमचंद्र महाराज की शिष्याएं डॉ. समणी सुयशनिधिजी एवं सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, बागलकोट के तत्वावधान में जैन भवन में जैन अणुप्पेहा ध्यान योग साधना शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. समणी सुयशनिधिजी ने कहा कि साधना के पथ पर तब तक बढ़ते रहना चाहिए जब तक लक्ष्य सिद्धि उपलब्ध न हो जाए। हृदय के कण-कण में यह दृढ़ आस्था एवं संकल्प रखना है कि सिद्धि अवश्य मिलेगी, साधना कभी निरर्थक नहीं होती। साधना की शुरुआत अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा भक्ति प्रस्तुत करते हुए की गई। प्रथम चरण वंदनं शरणं के अन्तर्गत प्रशिक्षण देते हुए डॉ. समणी सुयशनिधिजी ने कहा कि प्रथम क्रिया में पंच परमेष्ठि को वंदन करते हुए अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु का उपकार स्वीकार किया जाता है। वंदन करने से विनय गुण प्रकट होता है एवं अहंकार भाव दूर होता है। मन मस्तिष्क के विचार सकारात्मक बनते हैं और साथ ही साथ पाप कर्म का नाश होता है। यह प्रशिक्षण सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सुबह के साधना शिविर एवं प्रवचन के अतिरिक्त दोपहर में 2.30 से महिलाओं के लिए धर्म चर्चा की कक्षा रखी गई जिसमें सभी ने बढ़ चढ़कर लाभ लिया।

विजय मंडल के रजत जयंती वर्ष में 'तारा छाई रात' रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजय मंडल के सदस्यों ने संस्था के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में कासिया ऑडिटोरियम में 'तारा छाई रात' नामक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया। मंडल के संयोजक छत्रसिंह मालू ने सभी का स्वागत करते हुए मंडल के नींव से वर्तमान तक के संक्षिप्त इतिहास के बारे मे जानकारी दी।

रंगारंग कार्यक्रम में मंडल के उभरते हुए मुख्य गायक मनीष पगारिया, देवेन्द्र नाहटा के साथ मंडल के अन्य सदस्य छत्रसिंह मालू ,कमलसिंह दुगड़, बाबूलाल बोथरा, चम्पालाल मालू, अमरचंद भूतोड़िया, सुभाष शामसुखा, रतन बरड़िया, अमित नौलखा, पीयूष बैद, प्रकाश कोचर, विक्रम बोहरा के साथ मिलकर होली पर आधारित सांस्कृतिक गीतों की प्रस्तुति दी। आमंत्रित गायिका एकता शाह व राजस्थान से आए कालबेलिया डाँस ग्रुप के सदस्यों ने गीत व नृत्य के माध्यम से लोगों का खूब मनोरंजन किया । सम्मान समारोह में प्रायोजक गुरु पुनवानी के संजय बैद परिवार का सम्मान किया तथा मंडल के वर्तमान तथा पुराने सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन भरत जैन ने किया।

कांग्रेस नेता मंजूनाथ ने की मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस नेता जी एस मंजूनाथ ने रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करके एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। मंजूनाथ ने प्रधानमंत्री के विरुद्ध बेहद आपत्तिजनक बयान देते हुय कहा कि गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती की घोषणा करना एक चुनावी हथकंडा है।

मंजूनाथ ने एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा, चुनाव आ रहे हैं और गैस सिलिंडर की कीमत 100 रुपये कम कर दी गयी। अगर वह मिल जायें तो मेरे पैरों में जो होगा, उसी से पिटाई कर दूंगा। अगर मैं उनसे (प्रधानमंत्री मोदी) मिलूं तो उनसे पूछूंगा कि आप अब ऐसा क्यों कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं यह एक

कांग्रेसी नेता की हैसियत से नहीं बल्कि इस देश के नागरिक के रूप में पूछना चाहता हूं। आप सभी को यह पूछना चाहिये, अन्यथा कोई नहीं सुनेगा। जब हम सवाल करना नहीं सीखते हैं, तो हम राज्य में मतदाता बनने के लिये पूरी तरह से योग्य नहीं बन पाते हैं। मैं लोगों से विनती करता हूं, चुनावी प्रक्रिया लगभग 15 दिनों में शुरू हो रहा है। आप खुश क्यों हैं कि कीमत 100 रुपये कम हो गयी है ?

गौरतलब है कि श्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एलपीजी सिलेंडर पर 100 रुपये की कटौती का एलान किया था। प्रधानमंत्री पर श्री मंजूनाथ की अशोभनयी टिप्पणी पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये उनसे माफी की मांग की है। भाजपा ने कहा, 'सिद्दारमैया उनके लिये एक आदर्श हैं। वह भी अन्य राजनीतिक नेताओं का अपमान करते हैं। मैं डी के शिवकुमार (केपीसीसी अध्यक्ष) से कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध करता हूं। कांग्रेस नेता को माफी मांगनी चाहिये।' भाजपा नेता एवं विधायक चळुवादी नारायणस्वामी ने कहा कि मोदी के खिलाफ टिप्पणी कांग्रेस के लिये महंगी साबित होगी।

अपने वादे पूरे करने में विफल रहे प्रधानमंत्री मोदी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने 10 साल पहले जो वादे किए थे, वे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। स्टालिन ने दावा करते हुए कहा कि विपक्षी 'इंडि' गठबंधन लोगों को यह समझाने में कामयाब हुआ है कि भाजपा को किसी भी कीमत पर हराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गठबंधन के नेता विभिन्न राज्यों में आपस में बातचीत कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भाजपा विरोधी वोट बंट न पाएं। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कांग्रेस, सीपीआई-एम, सीपीआई, वीसीके, एमडीएमके, आईयूएमएल और केएनएमडीके सहित अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारा पूरा कर लिया है। उनकी पार्टी राज्य के 39 लोकसभा क्षेत्रों में से 21 पर चुनाव लड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एमएनएम के संस्थापक और अभिनेता कमल हासन द्रमुक गठबंधन में शामिल हो गए हैं। वह अब अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कमल हासन को 2025 में राज्यसभा सीट आवंटित की जाएगी। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि हम भाजपा को हराने के लिए एकजुट हैं और हमारी यही भावना हमें 39 सीटों पर जीत दिलाएगी।

कर्नाटक जल संकट

अब किसी कीमत पर तमिलनाडु को कावेरी का पानी नहीं देंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को जोर देकर कहा कि अभी किसी भी कीमत पर कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु के लिए छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता है। कृष्णराज सागर (केआरएस) बांध से तमिलनाडु के लिए कावेरी का पानी छोड़े जाने के आरोपों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और आलोचना के बीच, शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि यह पानी बेंगलूरु के लिए है, न कि पड़ोसी राज्य के लिए। जल संसाधन विभाग का भी कार्यभार संभाल रहे शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अब किसी भी कीमत पर तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने का सवाल ही नहीं है, हमने नहीं छोड़ा है...तमिलनाडु में कितना पानी जाता है, इसका हिसाब है। अगर आज पानी छोड़ा जाए तो वहां तक पहुंचने में चार दिन लगेंगे।''

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार ने कहा, ''हम इस सरकार में मूर्ख नहीं हैं जो पानी (तमिलनाडु को) छोड़ दें।''

'रैयता हितरक्षण समिति' ने रविवार को मांड्या के जिला मुख्यालय शहर में प्रदर्शन किया था और आरोप लगाया कि राज्य के कई हिस्सों में सूखे और जल संकट के बीच केआरएस बांध से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। प्रदेश में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने भी कांग्रेस सरकार पर हमला किया और आरोप लगाया कि वह कर्नाटक के किसानों और नागरिकों की कीमत पर तमिलनाडु में पार्टी के गठबंधन सहयोगी द्रमुक के हितों की रक्षा करना चाहती है। भाजपा ने कावेरी नदी से कथित तौर पर पानी छोड़ने के लिए सिद्धरमैया प्रशासन पर निशाना साधा।

शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि मालवल्ली में 'शिव बैलेंसिंग' जलाशय को फिर से भरने के लिए केआरएस बांध से कुछ पानी छोड़ा गया था, जहां से इसे बेंगलूरु भेजा जाता है। उन्होंने कहा, ''जहां से हम बेंगलूरु के लिए पानी भेजते हैं, वहां पानी का स्तर कम था। पंप से पानी भेजने के लिए एक निश्चित जलस्तर होना चाहिए, उस स्तर को बनाए रखने के लिए पानी छोड़ा गया... बेंगलूरु के पानी के लिए, ऐसा किया गया था।''

बेंगलूरु में चार दशकों का सबसे भीषण सूखा : डीके शिवकुमार

जल संकट से निपटने के सभी प्रयास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में पानी की भारी कमी के बीच, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य में पिछले तीन-चार दशक में इतना भीषण सूखा नहीं देखा गया और आगामी दो महीने ''अत्यंत महत्वपूर्ण'' हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस संकट से निपटने और नागरिकों को पानी की आपूर्ति के लिए सभी प्रयास कर रहा है और शहर में ''जल माफिया'' को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने पिछले 30-40 साल में ऐसा सूखा नहीं देखा। सूखा पहले भी पड़ा था लेकिन हमने कभी इतनी बड़ी संख्या में तालुकाओं को सूखा-प्रभावित घोषित नहीं किया।'' बेंगलूरु में विकास के प्रभारी शिवकुमार ने कहा कि शहर में जहां कहीं भी कावेरी नदी के पानी की आपूर्ति की जानी है, वहां की जा रही है, लेकिन बेंगलूरु में करीब 13,900 बोरवेल में से लगभग 6,900 बोरवेल काम नहीं कर रहे।

उन्होंने कहा, ''इसलिए स्थिति को नियंत्रित करने के लिए,

हमने पानी की आपूर्ति के वास्ते टैंकर की व्यवस्था की है। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) और बेंगलूरु जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) इस संबंध में सभी प्रयास कर रहे हैं।'' कर्नाटक ने 240 तालुकाओं में से 223 को सूखा प्रभावित घोषित किया है, जिनमें से 196 को गंभीर रूप से सूखा प्रभावित के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

उन्होंने कहा, ''कावेरी (परियोजना के) पांचवें चरण को लागू करके हम मई के आखिरी सप्ताह तक (बेंगलूरु के आसपास के) 110 गांवों को कावेरी का पानी उपलब्ध कराने के लिए सभी प्रयास करेंगे।'' शिवकुमार ने कहा कि ''जल माफिया'' को नियंत्रित करने के लिए अब तक 1,500 से अधिक निजी टैंकर का पंजीकरण किया गया है और अन्य के पंजीकरण के लिए समय सीमा 15 मार्च तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ), बीबीएमपी और बीडब्ल्यूएसएसबी इसकी निगरानी करेंगे और टैंकरों पर पंजीकरण संख्या वाला एक बोर्ड होगा। उन्होंने कहा, अवैध रूप से टैंकर का संचालन करने और (पानी के प्रति टैंकर के लिए) 5,000 या 6,000 रुपये वसूल करने जैसी चीजें देखी जा रही हैं। इसे नियंत्रित करने के लिए यात्रा की दूरी के आधार पर कीमत तय की गई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
DNR Highline @ Okalipuram
near LULU Mall Rajajinagar
3 & 4 BHK FLATS
with 7 Star Luxurious Amenities.
Only Few Flats available for Sale.
for details
Contact Owner: 9844027560

लोकसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर पीएमके में मतभेद

चेन्नई। शक्तिशाली वन्नियार समुदाय की राजनीतिक शाखा पीएमके आगामी लोकसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर बंटी हुई है। पीएमके के संस्थापक नेता डॉ. एस. रामदास एआईएडीएमके के साथ गठबंधन चाहते हैं, जबकि उनके बेटे और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदास भाजपा के साथ जुड़ना चाहते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी और अन्नाद्रमुक एनडीए का हिस्सा थे। इसमें पीएमके भी शामिल थी। लेकिन, सितंबर 2023 में एआईएडीएमके ने भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया। इससे पीएमके में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। अब पार्टी पिता और पुत्र के दो शक्ति केंद्रों के बीच विभाजित हो गई है। डॉ. अंबुमणि रामदॉस भाजपा के साथ गठबंधन के पक्ष में हैं, क्योंकि पार्टी ने उन्हें केंद्र में कैबिनेट मंत्री पद की पेशकश की है।

अनधिकृत बोरवेल के खिलाफ की जाएगी कानूनी कार्रवाई : बेंगलूरु जल आपूर्ति बोर्ड

बेंगलूरु। जल संकट के बीच बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड ने चेतावनी दी है कि शहर की सीमा के भीतर अनधिकृत बोरवेल बनाने के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बीडब्ल्यूएसएसबी ने कहा कि 15 मार्च से लोग बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने आवेदन जमा करके बोरवेल के लिए अनुमति ले सकते हैं, जिसकी मंजूरी संबंधित अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण के आधार पर दी जाएगी। बीडब्ल्यूएसएसबी ने एक आदेश में कहा कि बेंगलूरु शहर में बोरवेल खोदने से पहले कर्नाटक भूजल (प्रबंधन और विकास का विनियमन और नियंत्रण) अधिनियम, 2011 की धारा 11 के अनुसार संबंधित अधिकारियों से अनुमति लेना अनिवार्य है। आदेश में भूजल स्तर में गिरावट का कारण पर्याप्त वर्षा जल की कमी को बताया गया और कहा गया है कि शहर में कई बोरवेल सूख गए हैं। बोरवेल की अवैज्ञानिक ड्रिलिंग' के कारण शहर में भूजल स्तर कम हो रहा है। आदेश के अनुसार बोरवेल केवल उन स्थानों पर ही खोदे जाएं जहां संबंधित अधिकारियों द्वारा अनुमति दी गई हो और यदि अनधिकृत स्थानों पर ऐसा किया जाता है तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'गोभी मंचूरियन' और कॉटन कैंडी में कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने सोमवार को राज्य में 'गोभी मंचूरियन' और हवा मिठाई (कॉटन कैंडी) में कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी। सार्वजनिक स्वास्थ्य, विशेषकर बच्चों पर कृत्रिम रंगों के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। राज्य सरकार के खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता विभाग ने कहा कि 'गोभी मंचूरियन' और हवा मिठाई के नमूने समूचे राज्य से इकट्ठा किए गए और प्रयोगशालाओं में उनका विश्लेषण किया गया।

अधिकारियों ने 'गोभी मंचूरियन' के 171 नमूने एकत्र किए जिनमें से 107 में 'टारट्राज़िन', 'सनसेट येलो' और 'कार्मोइसिन' जैसे असुरक्षित कृत्रिम रंग पाए गए। वहीं 'कॉटन कैंडी' के 25 नमूनों में से 15 में 'टारट्राज़िन', 'सनसेट येलो' और 'रोडामाइन बी' कृत्रिम रंग पाए गए। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के नियम (31) के मुताबिक, खाने-पीने के सामान में इन कृत्रिम रंगों का उपयोग असुरक्षित है। परीक्षणों के नतीजों के आधार पर खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने 'गोभी मंचूरियन' को तैयार करने में किसी भी कृत्रिम रंग का इस्तेमाल बंद करने का आदेश दिया है। हवा मिठाई के मामले में खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में कृत्रिम रंग के उपयोग और 'रोडामाइन बी' जैसे रंगों एवं अन्य कृत्रिम रंगों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

अधिकारियों ने कहा कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम – 2006 के नियम 59 का उल्लंघन पाए जाने पर विभाग अदालत में मामला दायर कर सकता है। इसमें दोषी पाए जाने पर सात साल से लेकर आजीवन कारावास और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

कर्नाटक सरकार ने इस आदेश में कहा कि 'भोजन में कृत्रिम रंगों के लंबे समय तक उपयोग और इसके सेवन से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है।' लिहाजा लोगों को खानपान में किसी भी कृत्रिम रंग का उपयोग न करने या सीमित मात्रा में उपयोग करने की सलाह दी गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि विभाग के अधिकारी खाद्य उत्पादों में रसायनों के उपयोग पर ध्यान दे रहे हैं जिनमें 'कॉटन कैंडी' और 'गोभी मंचूरियन' पर विशेष ध्यान है। इसकी वजह यह है कि उनमें नुकसानदेह रसायनों के इस्तेमाल की तमाम सूचनाएं आ रही थीं। उन्होंने कहा कि 'रोडामाइन बी' एक कैंसरकारी पदार्थ है और अगर इसका बड़े पैमाने पर सेवन किया जाए तो यह विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि टारट्राजिन का उपयोग तैयार खाद्य पदार्थों में नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि राव ने कहा कि डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों में इन कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि डिब्बाबंद उत्पादों में एक निश्चित मात्रा की अनुमति होती है।

उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाला खाना खाने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है, खासकर कैंसरकारी रसायन इंसानी अंगों के लिए विभिन्न समस्याएं पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में अन्य खाद्य उत्पादों पर भी ऐसे सर्वेक्षण किए जाएंगे जहां रंग वाले रसायनों का उपयोग किया जा रहा है।

बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामला

गृहमंत्री ने कहा, हमलावर की कर ली गई है पहचान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि एजेंसियों ने बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामले में संदिग्ध हमलावर का पता लगभग लगा लिया है। परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमलावर की पहचान लगभग कर ली गई है। विशेष शाखा सीसीबी और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारी इसकी और तहकीकात कर रहे हैं।

एनआईए ने 9 मार्च को संदिग्ध हमलावर की तस्वीरें और वीडियो जारी किए और उसकी गिरफ्तारी के लिए कोई भी सुराग व जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। सीसीबी ने आरोपियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए सात से आठ टीमों का गठन किया है। यह घटना 1 मार्च को बेंगलूरु के इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी पार्क लिमिटेड (आईटीपीएल) रोड पर ब्रुकफील्ड में स्थित रामेश्वरम कैफे में हुई।

परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा, जांच की जा रही है, हम करीब पहुंच रहे हैं, एक तरह से उस व्यक्ति (संदिग्ध) की पहचान कर ली गई है। पहचान की पुष्टि करके उसे पकड़ना है। वे यह कर रहे हैं, एनआईए यह कर रही है और सीसीबी उनके साथ यह कर रही है। उन्हें काफी सुराग मिले हैं।

भारतीय संविधान को बदलने के प्रस्ताव वाले बीजेपी सांसद अनंत कुमार हेगड़े के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने संविधान की सराहना की है। उन्होंने यहां तक कहा है कि अगर संविधान न होता, तो वह पीएम नहीं बन पाते। परमेश्वर ने कहा कि केवल बयानों से दूरी बनाना ही भाजपा के लिए पर्याप्त नहीं है, सांसद हेगड़े के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। लोकसभा चुनाव के लिए टिकटों को अंतिम रूप देने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची शाम तक फाइनल होने वाली है।

कांग्रेस में कर्नाटक के सात-आठ मंत्रियों को लोकसभा चुनाव लड़ाने की चर्चा : जी परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि पार्टी में इस तरह की चर्चा चल रही है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में सात से आठ मंत्रियों को मैदान में उतारा जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि अंतत: पार्टी ही उम्मीदवारों के नाम तय करेगी।

परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इस तरह की चर्चा है कि सात से आठ मंत्रियों को चुनाव लड़ना चाहिए। पार्टी के हित में जो भी तैयार होगा, उसे लड़ाया जाएगा। आज (स्क्रीनिंग कमेटी) की बैठक के बाद इस पर स्थिति साफ हो सकती है।'' समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा के चुनाव लड़ने को लेकर अनिच्छा प्रकट करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''वह कह रहे हैं कि चुनाव लड़ना नहीं चाहते और टिकट उनके बेटे को दिया जाए। अंतत: पार्टी तय करेगी कि महादेवप्पा को लड़ाया जाए या उनके बेटे को या किसी और को। अगर वह लड़ना नहीं चाहते तो उन पर दबाव नहीं बनाया जा सकता।''

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची में कर्नाटक की सात सीट के लिए अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिये हैं। पहली सूची में राज्य सरकार के किसी मंत्री या पार्टी के किसी विधायक का नाम नहीं है। इस तरह की भी खबरें हैं कि मंत्री लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं।

कर्नाटक जल संकट

तमिलनाडु को पानी देना बंद करे सरकार : आर अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधासनभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने सोमवार को कांग्रेस सरकार पर तमिलनाडु को पानी जारी किए जाने पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जब कर्नाटक में पानी की किल्लत अपने चरम पर पहुंच चुकी है, तमिलनाडु को पानी देने का फैसला उचित नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए आर अशोक ने कांग्रेस सरकार से मांग की है कि वह तमिलनाडु को पानी देना बंद करे और मौजूदा वक्त में हो रही लोगों की समस्याओं का निदान करने की दिशा में अतिशीघ्र कदम उठाए। उन्होंने आगे कहा, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार आप ऐसा कहकर खुद की पीठ थपथपा रहे हैं कि आपकी सरकार लोगों के वादे को पूरा कर रही है। यही नहीं, तमिलनाडु को कावेरी जल देने के मामले में भी आप बेनकाब हो चुके हैं। कांग्रेस सरकार खुद अब बेनकाब हो चुकी है।

आर अशोक ने स्पष्ट कर दिया, अगर आप राज्य के लोगों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं करा सकते, तो आपको सत्ता छोड़ देनी चाहिए। अगर आपके अंदर तनिक भी क्षमता है, तो मेहरबानी कर आप राज्य के लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराएं। पानी हमारा है, लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में तमिलनाडु के लोग पानी पर अपना हक जमा रहे हैं, जो कि किसी भी सूरत में उचित नहीं है।

उन्होंने कहा, अगर आप सूखे के संकट का सामना कर रहे लोगों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं करा सकते तो आपको इस्तीफा दे देना चाहिए। सत्ता में आप हैं, ना कि बीजेपी। जब राज्य में बीजेपी सत्ता में थी, तो हमने कभी-भी सूखे और बाढ़ के समय लोगों को मुआवजा देने के मामले में केंद्र की सहमति का इंतजार नहीं किया। हमने राज्य सरकार के कोष से लोगों को मुआवजा दिया। उन्होंने आगे कहा, समस्या यह है कि आपके पास पैसे नहीं हैं। आपकी सरकार अब कंगाल हो चुकी है। अब आपके पास पीने का पानी मुहैया कराने के लिए भी पैसा नहीं बचा है।

इस मुद्दे को लेकर फ्रीडम पार्क में होने वाले विरोध प्रदर्शन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्नाटक दौरे के ध्यान में रखते हुए स्थगित कर दिया गया।

चिदंबरम ने हेगड़े के बयान को लेकर भाजपा-आरएसएस पर निशाना साधा

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनंत कुमार हेगड़े के बयान को लेकर सोमवार को कहा कि यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के एजेंडे के अनुसार संविधान में संशोधन किया जाता है तो यह संसदीय लोकतंत्र, संघवाद, अल्पसंख्यकों के अधिकारों और अंग्रेजी भाषा का अंत होगा। संविधान में संशोधन करने की भाजपा की मंशा कभी छिपी नहीं रही। भाजपा सांसद हेगड़े ने रविवार को कहा था कि संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष' शब्द को हटाने के लिए भाजपा संविधान में संशोधन करेगी। उन्होंने लोगों से लोकसभा में भाजपा को दो-तिहाई बहुमत देने का आह्वान किया था ताकि देश के संविधान में संशोधन किया जा सके।

कलबुर्गी और एसएमवीटी बेंगलूरु के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार रेल मंत्रालय ने ट्रेन नंबर 22231/22232 कलबुर्गी-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु-कलबुर्गी वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत को मंजूरी दे दी है। यह वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन संचालित होगी, जो यात्रियों के लिए एक तेज़ और कुशल परिवहन विकल्प प्रदान करेगी।

मध्य रेलवे ने अनुसार 12 मार्च को एकतरफा यात्रा के लिए निर्धारित ट्रेन संख्या 02231 कलबुर्गी-एसएमवीटी बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन विशेष संचालन की घोषणा की है।

उद्घाटन विशेष ट्रेन नंबर 02231 कलबुर्गी-एसएमवीटी बेंगलूरु वंदे भारत 12 मार्च को सुबह 09:15 बजे कलबुर्गी से अपनी यात्रा शुरू करेगी। ट्रेन रायचूर, मंत्रालयम रोड, गुंतकल, अनंतपुर और यलहंका होते हुए सायं 6 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगा। उद्घाटन विशेष ट्रेन में कुल 8 कोच होंगे, जिसमें 4 मोटर कार, 2 ट्रेलिंग कार और 2 ड्राइविंग ट्रेलर कार शामिल होंगी। नियमित सेवाओं के चलने की तारीखें बाद में अधिसूचित की जाएंगी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

pfrda पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण
PENSION FUND REGULTORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण
बी-14/ए, छत्रपति शिवाजी भवन, कुतुब संस्थागत क्षेत्र,
कटवारिया सराय, नई दिल्ली 110016

एनपीएस न्यास के बोर्ड में एक न्यासी की नियुक्ति

एनपीएस न्यास के बोर्ड में एक न्यासी के रूप में नियुक्ति के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जिनका कार्यकाल नियुक्ति की तारीख से तीन साल तक की अवधि के लिए होगा, जिसमें केवल दो वर्ष तक की कार्यावधि के विस्तार का प्रावधान है। न्यासी की कार्यावधि के लिए अधिकतम आयु सीमा सत्तर वर्ष निर्धारित की गई है। सभी न्यासी प्राधिकरण द्वारा समय समय पर निर्धारित, न्यासी बैठक हेतु बैठक शुल्क एवं न्यासी बैठक हेतु अन्य खर्चों जैसे यात्रा शुल्क एवं यात्रा के दौरान प्रवास शुल्क आदि के लिए पात्र हैं।

इस पद पर नियुक्ति के लिए विस्तृत सूचना, पीएफआरडीए (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास) विनियम, 2015 और उसमें संशोधन, और न्यासियों की नियुक्ति के लिए दिशा-निर्देश पीएफआरडीए की वेबसाइट www.pfrda.org.in पर उपलब्ध हैं।

आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 12 अप्रैल 2024 है।

कृपया पीएफआरडीए द्वारा विनियमित और प्रशासित पोजनाओं कि पूरी जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.pfrda.org.in पर जाएं या क्यूआर कोड स्कैन करे।

मुख्य महाप्रबंधक
विनियमन विभाग - निधि प्रबंधन
(एनपीएस न्यास)

सीबीसी 15102/12/0010/2324

भारतीय संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने भारतीय संविधान को विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या बताते हुए सोमवार को कहा कि संविधान देश को शासित करने से जुड़ा विधान ग्रंथ ही नही है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति तथा उदात्त जीवन मूल्यों का प्रतिबिंब है। मिश्र सोमवार को कोटा स्थित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में निर्मित संविधान उद्यान के लोकार्पण कार्यक्रम को राजभवन से ऑनलाइन के जरिए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में संविधान उद्यानों के निर्माण इसलिए करवाए गए हैं ताकि युवा पीढ़ी संविधान की हमारी संस्कृति के प्रति सजग रहें। मिश्र ने कहा कि देश के भावी नागरिकों में बंधुता, स्वाभिमान और राष्ट्र की एकता से जुड़ा हमारा संविधान राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का भी संवाहक है।

उन्होंने संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों का जिक्र करते हुए कहा कि इनके जरिए भारतीय इतिहास की विकास यात्रा के साथ सर्वधर्म समभाव की हमारी संस्कृति को हम जान और समझ सकते हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में 65 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बनाए गए संविधान उद्यान की सराहना की। उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति से जुड़ा जो दर्शन है, हमारी जो उदात्त जीवन परम्पराएं हैं, संविधान उसे व्याख्यायित करता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने बताया कि राजस्थान में तकनीकी विश्वविद्यालय में बनने वाला यह पहला संविधान उद्यान है और यहां 75 फुट ऊंचा संविधान स्तंभ भी बनाया गया है। उद्यान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए सिंह ने कहा कि इससे युवा पीढ़ी अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनेगी।

कस्वां के कांग्रेस में आने से 'न्याय' की लड़ाई मजबूत होगी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने चुरू से सांसद राहुल कस्वां के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल होने का स्वागत किया है। गहलोत ने कहा कि इससे 'न्याय' की लड़ाई मजबूत होगी। चुरू से लोकसभा सदस्य कस्वां सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गहलोत ने कस्वां का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, न्याय से जुड़ रहा भारत, ध्येय लोकतंत्र की हिफाजत।

उन्होंने पोस्ट में कहा, लोकतंत्र संरक्षण, संस्थाओं की आजादी और भारत को मजबूत करने के संकल्प के साथ भाजपा छोड़कर समर्थकों के साथ कांग्रेस में सम्मिलित हुए चुरू सांसद राहुल कस्वां का कांग्रेस परिवार में स्वागत है। आपके इस फैसले से निश्चित ही 'न्याय' की लड़ाई मजबूत होगी। डोटासरा ने पोस्ट में कहा, निस्संदेह कस्वां की किसान कल्याण एवं जनसेवा की भावना से जनता के मुद्दों को बल मिलेगा और पार्टी संगठन और सशक्त होगा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी कस्वां का कांग्रेस में स्वागत करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि कस्वां के पार्टी में आने से संगठन और मजबूत होगा। भाजपा द्वारा चुरू सीट से उनके बजाय दूसरा प्रत्याशी उतारे जाने के बाद कस्वां ने यह कदम उठाया है। कांग्रेस में शामिल होने से पहले कस्वां ने भाजपा और संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, राम-राम मेरे चूरू लोकसभा परिवार.....मेरे परिवारजनो! आप सब की भावनाओं के अनुरूप, मैं सार्वजनिक जीवन का एक बड़ा फैसला लेने जा रहा हूं। राजनीतिक कारणों के चलते आज इसी समय, मैं भाजपा की प्राथमिक सदस्यता एवं संसद सदस्य से इस्तीफा दे रहा हूं।

कस्वां ने कहा, समस्त भाजपा, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह का आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने मुझे 10 वर्षों तक चूरू लोकसभा परिवार की सेवा करने का अवसर दिया। विशेष आभार मेरे चूरू लोकसभा परिवार का, जिन्होंने मुझे सदैव बहुमूल्य साथ, सहयोग और आशीर्वाद दिया। भाजपा ने चुरू सीट से नये चेहरे देवेंद्र झाझड़िया को टिकट दिया है। झाझड़िया पैरालंपिक में दो बार स्वर्ण तथा एक बार रजत पदक जीत चुके हैं।

भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गत दो मार्च को राजस्थान की 25 में से 15 सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इसमें पार्टी ने जिन मौजूदा सांसदों के टिकट काटे हैं उनमें राहुल कस्वां (चूरू), रंजीता कोली (भरतपुर), देवजी पटेल (जालौर), अर्जुन लाल मीणा (उदयपुर) और कनकमल कटारा (बांसवाड़ा) शामिल हैं।

सांसद कस्वां ने भाजपा की सदस्यता छोड़ी

जयपुर। राजस्थान के चुरू से सांसद राहुल कस्वां ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिक सदस्यता और सांसद पद से इस्तीफा देने की घोषणा सोमवार को की। सांसद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह घोषणा की। वह आगामी लोकसभा चुनाव के लिए चुरू सीट से अपनी टिकट काटे जाने से नाराज चल रहे थे।

उन्होंने लिखा, 'राम-राम' मेरे चूरू लोकसभा परिवार..... मेरे परिवारजनों! आप सब की भावनाओं के अनुरूप, मैं सार्वजनिक जीवन का एक बड़ा फैसला लेने जा रहा हूँ। राजनीतिक कारणों के चलते आज इसी समय, मैं भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं संसद सदस्य पद से इस्तीफा दे रहा हूँ। सांसद ने यह भी लिखा, समस्त भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं अमित शाह जी का आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने मुझे 10 वर्षों तक चूरू लोकसभा परिवार की सेवा करने का अवसर दिया।

अमृतसर-जामनगर कॉरिडोर से पश्चिमी जिले होंगे समृद्ध : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि अमृतसर-जामनगर इकॉनोमिक कॉरिडोर के विकास से सम्पूर्ण प्रदेश और विशेषकर राज्य के सीमावर्ती जिलों के आर्थिक विकास के नये अवसर खुलेगें। दीया कुमारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोमवार को गुरूग्राम में अमृतसर-जामनगर इकॉनोमिक कॉरिडोर के 1799 करोड़ की लागत के दो पैकेजेस के उद्घाटन कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुई और इस उपलक्ष्य में आरआईसी में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर तथा जालौर जिलों की पंजाब और गुजरात के प्रमुख औद्योगिक शहरों एवं बंदरगाह से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इससे औद्योगिक विकास के साथ पर्यटन एवं निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के नये अवसर पैदा होगें। मार्ग में होटल, रेस्त्रां एवं अन्य व्यवसायिक गतिविधियां बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि पिछले 10 वर्षों में देश के सड़क नेटवर्क का बहुत तेजी से विस्तार हुआ है। दिल्ली-मुम्बई वडोदरा एक्सप्रेस वे और अमृतसर-जामनगर इकनोमिक कॉरिडोर सहित कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लाभ प्रदेश को मिला है। इसके लिये उन्होंने प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री का आभार जताया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सड़कें किसी भी देश के विकास का मूल आधार होती है। देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय बनाने के लिये केन्द्रीय बजट में इसके लिए 11.11 लाख करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में भी डबल इंजन सरकार तेजी से विकास के लिये प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। राज्य बजट में स्टेट रोड फंड में 1500 करोड़ रूपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

लगभग 22 हजार 500 करोड़ की लागत से अमृतसर को बंदरगाह शहर जामनगर से जोड़ने वाला 917 किलोमीटर लम्बे 6 लेन एक्सेस नियंत्रित अमृतसर जामनगर इकनोमिक कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। इसका लगभग 637 किलोमीटर हिस्सा प्रदेश के हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर और जालौर जिलों से होकर गुजर रहा है।

इस परियोजना के 637 किलोमीटर के 23 पैकेज राजस्थान में है। जिनमें से 502 किलोमीटर लम्बाई के 18 पैकेज का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किये जा चुके हैं। सोमवार को प्रधानमंत्री ने इस परियोजना के लगभग 53 किलोमीटर लम्बाई के 1799 करोड़ की लागत के 2 पैकेज (डबवाली, सिरसा-पीलीबंगा, हनुमानगढ़) का उद्घाटन किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने पर्यवेक्षकों को सभी राजनैतिक दलों को समान अवसर सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, भारत निर्वाचन आयोग ने आज राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में तैनात किए जाने वाले पर्यवेक्षकों के लिए एक ब्रीफिंग का आयोजन किया। इसमें 2150 से अधिक वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस अधिकारियों के साथ-साथ भारतीय राजस्व सेवा और कुछ अन्य केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी, जिसमें कुछ अधिकारी संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों से वर्चुअली शामिल हुए। आगामी चुनाव में लगभग 900 सामान्य पर्यवेक्षक, 450 पुलिस पर्यवेक्षक और 800 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किये जा रहे हैं। राजस्थान में आज 85 पर्यवेक्षकों ने इस ब्रीफिंग सत्र में वर्चुअली भाग लिया।

पर्यवेक्षकों को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने उन्हें स्वतंत्र, निष्पक्ष, समान अवसर सुनिश्चित करने के साथ ही भय और प्रलोभन मुक्त चुनाव कराने के निर्देश दिए। सीईसी ने जोर देकर कहा कि पर्यवेक्षकों के रूप में आयोग के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे स्वयं आदर्श रूप से आचरण करें और उम्मीदवारों सहित सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षकों से क्षेत्र में अपने आचरण में सख्त लेकिन व्यवहार में विनम्र रहने की अपेक्षा की जाती है। उन्होनें ये भी कहा कि पर्यवेक्षक मतदान केंद्रों का दौरा करें, वहां के भूगोल से परिचित हों और संवेदनशील क्षेत्रों की पूर्ण जानकारी लें। कुमार ने यह भी उल्लेख किया कि आयोग ने सभी परिपत्रों को फिर से तैयार किया है, ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध मैनुअल, हैंडबुक को भी खोजने योग्य और पढ़ने में आसान प्रारूप में अपडेट किया गया है। उन्होंने कहा कि हैंडबुक और मैनुअल विभिन्न अधिकारियों की भूमिकाओं और कार्यों के आधार पर तैयार किया गया है इनमें चैकलिस्ट के तौर पर ये भी दर्शाया गया है कि क्या करें और क्या न करें।

बैठक के दौरान सभी पर्यवेक्षकों को आयोग की विभिन्न नवाचारों के बारे में बताया गया ताकि वे कार्य की संवेदनशीलता को बेहतर समझ सकें। ब्रीफिंग सत्र के दौरान निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया गया:

1. पर्यवेक्षकों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान आवंटित संसदीय क्षेत्र की सीमाओं के भीतर ही रहने का निर्देश दिया गया है इस हेतु इनके वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग लगाने का प्रस्ताव दिया गया है

2. पर्यवेक्षकों को अपने मोबाइल/लैंडलाइन नंबरों का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया है इसके लिए सीईओ/जिला वेबसाइटों पर ईमेल पते/रहने के स्थान आदि को प्रदर्शित करने के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक/प्रिंट मीडिया में भी प्रसारित किया जाना चाहिए। पर्यवेक्षकों के आगमन के दिन से ही ये जानकारी उम्मीदवारों/मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भी डीईओ/आरओ द्वारा दी जानी चाहिए।

3. पर्यवेक्षकों से कहा गया कि वे अपने फोन/ई-मेल पर हमेशा उपलब्ध रहें, उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों/सामान्य जनता/चुनाव ड्यूटी पर तैनात कार्मिक आदि की कॉल सुने/जवाब दें, इस संबंध में कोई भी शिकायत आयोग द्वारा गंभीरता से ली जाएगी।

4. डीईओ को पर्यवेक्षकों के साथ संपर्क अधिकारी और सुरक्षा के रूप में ईमानदार व्यक्तियों को तैनात करना चाहिए। संपर्क अधिकारी/सुरक्षा अधिकारी को तटस्थता बनाए रखने और उपस्थित होने के संबंध में उचित रूप से जानकारी दी जाए और जागरूक किया जाए ताकि अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा से करें।

5. पर्यवेक्षकों को अपने अनिवार्य कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया है। जैसे- सुरक्षा बलों की तैनाती की प्रक्रियाओं में पूरी तरह से शामिल रहे एवं पूर्ण संतुष्ट होने पर ही आगे की कार्यवाही करना, रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया, राजनीतिक दलों द्वारा सुविधा पोर्टल का उपयोग औरसभी उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना।

मोदी का विजन गरीब, युवा के लिए काम करना है : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन, गरीब युवा अन्नदाता और नारी शक्ति के लिये महत्वपूर्ण काम करने हैं। यादव ने सोमवार को अलवर में अपने लोकसभा चुनाव कार्यालय के उद्घाटन करने के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा सिद्धांतों की राजनीति की है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान कि डर के मारे कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये यादव ने कहा, गहलोत हमें सुचिता का पाठ न पढ़ायें। खुद अपनी गिरेबां में झांके। उन्होंने कहा कि राज्य के कई कद्दावर नेता खुद गहलोत के भुक्तभोगी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान तोड़ने का काम किया है। आपातकालीन जैसी कालिख इस लोकतंत्र पर पोती गयी। आपातकाल में यातनायें दी गयीं। संवैधानिक पदों पर बैठकर लोकतंत्र की हत्या की गयी और लोकतंत्र को एक परिवार का बंधक बनाने का काम कांग्रेस ने किया है। यादव ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी अलवर की जनता की सेवा के लिये सौंपी गयी है, वह उसका निर्वाह पूरी तरीके से करेंगे।

इस अवसर पर राज्य के मंत्री संजय शर्मा, विधायक जसवंत सिंह, विधायक बालक नाथ, पूर्व विधायक मनजीत चैधरी, जय राम जाटव ,हेमसिंह भड़ाना , ज्ञान देव आहूजा, भाजपा नेता धर्मवीर शर्मा, अशोक गुप्ता सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

राजस्थान शीघ्र ही विद्युत उत्पादन में अधिशेष श्रेणी में होगा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की 'डबल इंजन' सरकार द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान शीघ्र ही विद्युत उत्पादन में अधिशेष श्रेणी में आ जाएगा और प्रदेश की ऊर्जा संबधी सभी आवश्यकताएं पूरी होंगी।

मुख्यमंत्री तापीय और अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं, प्रसारण तंत्र, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण तथा अन्य विकास कार्यों के लिए 1.60 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर एवं बिजली खरीद समझौते (पीपीए) होने के अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।सउन्होंने कहा कि आज जिन समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं उनको धरातल पर उतारने और समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए राज्य सरकार पूरी शक्ति एवं सामर्थ्य के साथ कार्य करेगी ताकि अग्रणी राजस्थान की संकल्पना साकार हो।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रविवार को राज्य में 31 हजार 825 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन की विभिन्न परियोजनाओं सहित ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश के वास्ते राज्य की तीन विद्युत निगमों एवं छह केन्द्रीय उपक्रमों के मध्य पांच एमओयू तथा एक बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही, राज्य में अवसंरचना क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न विभागों, उपक्रमों तथा संस्थाओं के वित्त पोषण के लिए आरईसी लिमिटेड और राज्य सरकार के बीच भी 20 हजार करोड़ रुपये का एक एमओयू हुआ है।

पूजा

अयोध्या धाम में माहेश्वरी समाज द्वारा बनवाए जा रहे समाज भवन का शिलान्यास व पूजन करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला। भगवान शिव और प्रभु श्री राम के आदर्शों को आत्मसात कर माहेश्वरी समाज मानव सेवा और कल्याण में सदैव अग्रणी है। इस भवन के निर्माण से राम लला के दर्शनों को आ रहे श्रद्धालु लाभान्वित होंगे।

गर्मियों में पेयजल संकट से बचाव के लिए दीया कुमारी ने दी 320 करोड़ की वित्तीय सहमति

जयपुर/दक्षिण भारत । उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के द्वारा आगामी गर्मियों में प्रदेशवासियों के लिए पेयजल व्यवस्था को पुख्ता बनाये रखने के लिए पेयजल एवं पेयजल संबंधित आकस्मिक (कंटीजेंसी) कार्यों हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की विभिन्न पत्रावलियों पर लगभग 320 करोड़ रूपये की वित्तीय सहमतियां प्रदान की गई हैं। उक्त आधार पर जलदाय विभाग अब स्थानीय कंटीजेंसी प्लान बना सकेगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्रीष्म काल में आमजन को, खासकर महिलाओं को पेयजल के लिए जूझना पड़ता है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को पेयजल के लिए भटकना न पड़े और उन्हें आसानी से पेयजल उपलब्ध हो सके, इस बात का विशेष ध्यान रखते हुए उक्त वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। दीया कुमारी ने बताया कि उक्त सहमतियों से टैंकरों द्वारा पेयजल आपूर्ति, हैंडपम्प मरम्मत अभियान हेतु किराये के वाहन एवं संविदा श्रमिकों, ट्यूबवैल, नहरबंदी के दौरान पेयजल व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित रखने के लिए आवश्यक कार्य तथा इसी प्रकार के अन्य कार्य किए जा सकेंगे।

गर्मियों को देखते हुए पेयजल संकट होने की स्थिति में राहत पहुंचाने के लिए जिला कलेक्टर्स को भी 50 लाख रूपये प्रति जिला सहमति दी गई है। उक्त अनुसार जिलों में पेयजल से संबंधित आपातकालीन कार्यों हेतु 25 करोड़ रूपये की राशि की वित्तीय सहमति प्रदान की गई है।

चुनावी बॉण्ड पर उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत किया गहलोत ने

जयपुर/दक्षिण भारत। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उच्चतम न्यायालय द्वारा चुनावी बॉण्ड संबंधी जानकारी के खुलासे के लिए समयसीमा बढ़ाने की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका को खारिज किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण बताया। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने चुनावी बॉण्ड संबंधी जानकारी का खुलासा करने के लिए समय सीमा बढ़ाए जाने का अनुरोध करने वाली भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

गहलोत ने 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, स्वागत योग्य निर्देश! उन्होंने लिखा, माननीय उच्चतम न्यायालय का एसबीआई को चुनावी बॉण्ड की आवश्यक जानकारी कल तक जमा करने का निर्देश स्वागत योग्य व लोकतंत्र के संरक्षण के लिए अहम है। गहलोत ने कहा, इस मुद्दे पर एसबीआई का समय मांगना उसके भरोसे व पारदर्शिता पर संदेह पैदा करता है।

वहीं, मीडियाकर्मियों से बातचीत में गहलोत ने यह भी कहा कि एसबीआई को समय मांगना ही नहीं चाहिए था और इस प्रकरण से उसकी साख कम हुई है। चुनावी बॉण्ड योजना को 'महाघोटाला' बताते हुए गहलोत ने उम्मीद जताई कि इसका खुलासा कभी न कभी होगा।

सिरोही जिले में कांस्टेबल की हत्या करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

जोधपुर। राजस्थान के सिरोही जिले में दो पक्षों के बीच झड़प के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, सिरोही के स्वरूपगंज थाना क्षेत्र के लौटाना गांव में महाशिवरात्रि के पर्व पर मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा था जिस दौरान दो पक्षों में झगड़ा हो गया और कांस्टेबल निरंजन सिंह ने बीच-बचाव कराने की कोशिश की तो कुछ व्यक्तियों ने कथित रूप से चाकू घोंपकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि इस बाबत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य की तलाश जारी है। सिरोही जिले के पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। राज्य सरकार ने सिंह के परिवार के लिए विशेष सहायता पैकेज की घोषणा की है।

राजनाथ ने लखनऊ के विकास का श्रेय आदित्यनाथ को दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ के विकास का श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हुए सोमवार को कहा कि उनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं हो पाता। सिंह ने कहा, यह हमारा करिश्मा नहीं है बल्कि सांसद होने के नाते मैंने सहयोगी की भूमिका निभाई है। यहां के जनप्रतिनिधि जो कहते गए, वो होता गया। लखनऊ से सांसद सिंह ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 3,666 करोड़ रुपए की 206 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंच पर यह भी पूछ रहे थे कि क्या कोई और काम बाकी है। राजनाथ सिंह ने उप्र के मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि लखनऊ तेजी से समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, लखनऊ में देखने को मिल रहा विकास का यह मॉडल अटल जी का ही सपना है जिसे धरातल पर उतरा जा रहा है।

एक सरकारी बयान के मुताबिक हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में एक लाख करोड़ रुपए की 112 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, इसमें उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 5,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 104 किलोमीटर लंबे आठ लेन के आउटर रिंग रोड (किसान पथ) के तीन खंड का उद्घाटन शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज किसान पथ के उद्घाटन के साथ लखनऊ की जाम की समस्या का समाधान होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से हरित गलियारा बनाया जा रहा है जिससे लखनऊ शहर को जाम की समस्या से निजात मिल जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा हरित गलियारे के प्रथम चरण का कार्य आज पूरा होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की मदद से रक्षा मंत्रालय लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के केंद्र का भी उद्घाटन कर रहा है। ये हमारे युवाओं को स्टार्टअप और रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा।

लिफ्ट में 'फंसने' की आठ साल पुरानी घटना का जिक्र करते हुए लालू ने अमित शाह पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने वर्ष 2015 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के एक लिफ्ट में ''फंस'' जाने की घटना का जिक्र करते हुए सोमवार को उन पर निशाना साधा।

दो दिन पहले यहां पालीगंज में आयोजित एक रैली में शाह ने राजद पर जमीन हड़पने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगाया था और ''उन्हें उल्टा लटकाकर सीधा करने'' की बात कही थी। प्रसाद, शाह के इसी बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए अपनी पत्नी राबड़ी देवी, पार्टी के तीन अन्य उम्मीदवारों और सहयोगी दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के एक उम्मीदवार के नामांकन दाखिल कराने को लेकर विधानसभा परिसर पहुंचे प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, क्या वह लिफ्ट के अंदर फंस नहीं गए थे, वह फिर फंस जाएंगे।

राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद का इशारा 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान की एक घटना की ओर था, जब शाह अपनी पार्टी की चुनावी तैयारियों की समीक्षा के लिए पटना आए थे और यहां स्थित अतिथि गृह की एक लिफ्ट में आधे घंटे तक ''फंस'' गए थे। इस दौरान उनके साथ कई अन्य नेता भी थे।

अगर सीएए के कारण लोगों के साथ भेदभाव होता है, तो इसका विरोध करूंगी : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि अगर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) लोगों के समूहों के साथ भेदभाव करता है, तो वह इसका विरोध करेंगी।

सीएए और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के लिए संवेदनशील करार देते हुए बनर्जी ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव से पहले अशांति नहीं चाहती हैं। राज्य सचिवालय में जल्दबाजी में बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा, ऐसी खबरें हैं कि सीएए को अधिसूचित किया जाएगा। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि हम लोगों के साथ भेदभाव करने वाली किसी भी चीज का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा, उन्हें (केंद्र) नियम सामने आने दीजिए, फिर हम नियमों को पढ़ने के बाद इस मुद्दे पर बात करेंगे।

लोकसभा चुनाव: टीएमसी मेघालय की तुरा व असम की कुछ सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) मेघालय की तुरा लोकसभा सीट पर एक-दो दिन में अपने उम्मीदवार ने नाम का ऐलान कर सकती है। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पार्टी असम की दो से चार सीटों पर भी अपने उम्मीदवार उतारेगी और उनके नामों की घोषणा भी जल्द की जाएगी। उन्होंने बताया कि पार्टी की प्रदेश इकाई सीटों को अंतिम रूप देगी जो असम के अलग अलग हिस्सों में होंगी। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी ने पश्चिम बंगाल की सभी 42 सीटों पर रविवार को उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। सूत्रों ने बताया कि पार्टी तुरा सीट से अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी और प्रत्याशी के नाम का ऐलान एक-दो दिन में किया जाएगा।

आत्मनिर्भर महिलाएँ आत्मनिर्भर भारत का चेहरा: गिरिराज

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार का ध्यान महिलाओं को विभिन्न तरीकों से सशक्त बनाने पर है और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 10 करोड़ से अधिक महिलाएं 'आत्मनिर्भर भारत' का चेहरा है।

'सशक्त नारी-विकसित भारत' कार्यक्रम में सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर महिलाओं की आर्थिक आजादी के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, देश में 20 करोड़ ग्रामीण परिवार हैं। हम 10 करोड़ महिलाओं तक पहुंच चुके हैं, जो अब स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं... दस करोड़ महिलाओं को सशक्त बनाया गया है। आत्मनिर्भर महिलाएं आत्मनिर्भर भारत का असली चेहरा होंगी। सिंह ने लोगों के कल्याण के लिए भाजपा सरकार की - उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत, पीएम पोषण, जल जीवन, मुद्रा योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी - योजनाओं का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को यहां 'सशक्त नारी-विकसित भारत' कार्यक्रम में भाग लिया और पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में नमो ड्रोन दीदियों द्वारा आयोजित कृषि ड्रोन प्रदर्शन देखा। नमो ड्रोन दीदी और लखपति दीदी पहल, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच आर्थिक सशक्तीकरण और वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग हैं।

यह चुनाव काम करने वाले और काम नहीं करने वालों के बीच : राजीव चंद्रशेखर

तिरुवनंतपुरम/भाषा। तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर अपने प्रतिद्वंद्वी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कहा कि यह चुनाव काम करने की राजनीति और 15 वर्ष तक काम नहीं करने वाले प्रतिनिधि के बीच होने जा रहा है। चंद्रशेखर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उन्हें लगता है कि तिरुवनंतपुरम के लोग इस बारे में अच्छी तरह से जानते हैं और जनता को पता है कि मई में किसे चुनना है। चंद्रशेखर ने कहा, निस्संदेह जनता सब जानती है। वे जानते हैं कि काम की राजनीति क्या है, कौन काम करता है और किसने 15 वर्ष तक काम नहीं किया।

बंगाल में उम्मीदवारों के चयन में टीएमसी की हताशा दिखती है : अधीर चौधरी

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अंतर्कलह की वजह से बेहद हताश हो चुकी है और पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीट पर उम्मीदवारों की उसकी पसंद से यह स्पष्ट है। टीएमसी ने रविवार को कोलकाता में एक बड़ी रैली में राज्य की सभी 42 लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इसके साथ ही उसने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सहयोगियों के लिए कोई सीट नहीं छोड़ी।

पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, आंतरिक कलह की वजह से टीएमसी की स्थिति दयनीय हो गई है।

संविधान बदलने के लिए '400 पार' की बात की जा रही है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनंत कुमार हेगड़े के बयान को लेकर सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा पर सामाजिक न्याय एवं धर्मनिरपेक्षता का विरोधी होने का आरोप लगाया और दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में 400 सीट की बात जा रही है, ताकि संविधान बदला जा सके।

भाजपा सांसद हेगड़े ने रविवार को कहा था कि प्रस्तावना से 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को हटाने के लिए भाजपा संविधान में संशोधन करेगी। उन्होंने लोगों से लोकसभा में भाजपा को दो-तिहाई बहुमत देने का आह्वान किया था, ताकि देश के संविधान में संशोधन किया जा सके। भाजपा ने हेगड़े के बयान को उनका 'निजी विचार' करार दिया है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री एक तरफ बात करते हैं कि संविधान नहीं बदलेगा, लेकिन अपने लोगों से कहलवाते हैं कि 400 सीट दो, ताकि संविधान बदला जा सके। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं, संविधान में 'धर्मनिरपेक्षता' शब्द के खिलाफ हैं...इनकी मानसिकता बुरी है और इससे देश में हंगामा मचेगा। उन्होंने सवाल किया, एससी, एसटी का आरक्षण संविधान में दिया गया है। आप क्या बदलना चाहते हैं?

भारोत्तोलक मीराबाई ओलंपिक से पहले पेरिस में करेंगी अभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व विश्व चैंपियन भारोत्तोलक मीराबाई चानू के ओलंपिक खेलों से पहले पेरिस में अभ्यास करने के प्रस्ताव को भारत सरकार ने सोमवार को मंजूरी दे दी। केन्द्रीय खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक बयान के अनुसार टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता पेरिस के ला फेर्टे-मिलन में एक महीने तक अभ्यास करेंगी। इस दौरान वह मौसम के अनुकूल ढलने के साथ ओलंपिक की तैयारियों को पुख्ता करेंगी।

इस 29 साल की भारोत्तोलक के साथ दो कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट भी होंगे। सरकार 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स)' के तहत 49 किग्रा भार वर्ग में चुनौती पेश करने वाली मीराबाई और उनके सहयोगियों के हवाई टिकट, वीजा शुल्क, आवास, भोजन, प्रशिक्षण, स्थानीय परिवहन और चिकित्सा बीमा सहित अन्य खर्चों का वहन करेगी। मिशन ओलंपिक सेल ने घुड़सवार अनूश अग्रवाला के आठ प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने और घोड़ों के लिए उपकरण खरीदने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी। उन्होंने बताया, टॉप्स उनके और उनके कोच के आवास, प्रवेश शुल्क, दो घोड़ों के चारे की लागत, कोच की फीस और घोड़े की देखभाल की लागत सहित अन्य खर्चों का वहन करेगा।

भारत की प्रगति यात्रा
समृद्धि की ओर निरंतर अग्रसर है।

इस प्रगति मार्च में शामिल हों।
आपके कर इस मार्ग को प्रशस्त करते हैं।

आपके
अग्रिम कर
की चौथी किस्त का
15 मार्च, 2024
तक भुगतान करें।

जानकारी बाबू©

अग्रिम कर के भुगतान के लिए दायी करदाता

वेतनभोगी कर्मचारी सहित, कोई भी निर्धारिती, जिसके स्रोत पर काटे गये/संग्रहित किए गए कर के पश्चात्, वित्तीय वर्ष के लिए करदेयता रु. 10,000/- या इससे अधिक है।

ऐसे निवासी वरिष्ठ नागरिक, जिनकी कारोबार/व्यवसाय से आय नहीं है, वे भगुतान के लिए दायी नहीं हैं।

भुगतान की विधि

सभी कॉरपोरेट्स तथा ऐसे निर्धारिती जिनके खातों की आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 44AB के तहत लेखापरीक्षा की जानी अपेक्षित है, के लिए ई-भुगतान अनिवार्य है।

ई-भुगतान अन्य करदाताओं के लिए भी सुविधाजनक है क्योंकि यह सही क्रेडिट सुनिश्चित करता है।

नियत समय

देय तिथि	राशि
15 मार्च, 2024 को या उससे पहले	देय अग्रिम कर का 100%

अग्रिम कर का भुगतान न करने या देरी से करने पर ब्याज लगाया जाएगा।

cbc 15401/13/0023/2324

ई-ब्रोशर के लिए, क्यूआर कोड स्कैन करें

आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

कृपया अधिक जानकारी के लिए www.incometax.gov.in पर जाएं

अधिक जानकारी के लिए, क्यूआर कोड स्कैन करे

@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndia.Official @incometaxindiaofficial @IncomeTaxIndia @Income Tax India Official

सुविचार

जिंदगी खेलती उसी के साथ है, जो खिलाड़ी बेहतरीन होता है, दर्द सब के एक से है, लेकिन हौसला सब के अलग-अलग है, कोई हताश होकर बिखर जाता है, तो कोई संघर्ष करके निखर जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई सीएनएन की रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत के हस्तक्षेप से करोड़ों लोगों का जीवन बच गया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर परमाणु हमले का मंसूबा बना चुके थे! इस रिपोर्ट को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता, क्योंकि पुतिन को उनके बचपन से जानने वाले लोग कहते हैं कि वे इस सोच में विश्वास रखते हैं कि अगर लड़ाई होनी तय हो तो पहला मुक्का पड़ने का इंतजार नहीं करना चाहिए। पुतिन ने जिस तरह यूक्रेन पर हमला बोला, उससे दोनों ओर जन-धन का भारी नुकसान हुआ। यूक्रेन क्षेत्रफल, सैन्य शक्ति और संसाधनों के मामले में रूस से बहुत छोटा है, लेकिन उसने डटकर मुकाबला किया। अब तक इस युद्ध का निर्णय नहीं हो सका है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो पुतिन के सामने कह दिया था कि यह युद्ध का समय नहीं है। उनके इस बयान को वैश्विक स्तर पर सराहा गया था। भारत का रुख इन दोनों देशों के बीच टकराव को टालने और शांति स्थापना के प्रयासों पर जोर देने का रहा है। पुतिन के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि उन्होंने युद्ध में अरबों डॉलर और हथियार झोंक दिए, बहुत बड़ी तादाद में रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं, लेकिन मनचाहे नतीजे नहीं मिल रहे हैं। पुतिन अपनी 'विजेता' की छवि बनाए रखना चाहते हैं। जैसे-जैसे युद्ध लंबा खिंचता जा रहा है, उनकी इस छवि पर भी चोट पड़ती जा रही है। कोई आश्चर्य नहीं, अगर उन्होंने साल 2022 में यूक्रेन पर परमाणु हमले का इरादा कर लिया हो।

जब रूस ने धावा बोला था, तब कई विश्लेषकों को लगा था कि यूक्रेन ज्यादा दिन नहीं टिक पाएगा, पुतिन एक पखवाड़े या एक महीने में उसकी सेना से घुटने टिकवा देंगे, लेकिन हुआ इसका उल्टा। रूसी सेना की 'तूफानी रफ्तार' थम गई थी। उस पर ड्रोन हमले होने लगे थे। जमीन पर भी यूक्रेन की ओर से भरपूर जवाब दिया गया। खासतौर से खेरसॉन में स्थिति अत्यधिक चिंताजनक थी। वहां रूस की अग्रिम रक्षा पंक्तियों पर तबाह होने का खतरा मंडरा रहा था। हजारों रूसी सैनिकों के जान गंवाने की आशंका थी। रूस में अंदरूनी हालात बिगड़ते जा रहे थे। हजारों की तादाद में नागरिक दूर-दराज के इलाकों में जाने लगे थे, क्योंकि उन्हें भय था कि पुतिन के आदेश पर जबरन फौज में भर्ती कर लिया जाएगा। लोगों ने मोर्चे पर जाने से बचने के लिए कई तरह के बहाने बनाने शुरू कर दिए थे। यही नहीं, पुतिन के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए थे। ऐसे में रूसी राष्ट्रपति पर बहुत दबाव था कि वे कुछ बड़ा करें, निर्णायक करें, जिससे उनकी छवि 'महान और अजेय' नेता के तौर पर बनी रहे। निश्चित रूप से परमाणु हमला वह विकल्प हो सकता था, जिससे पुतिन अपनी छवि को चमकाने की कोशिश करते, लेकिन उसका नतीजा भयंकर होता। पुतिन यूक्रेन पर परमाणु हमला कर खुद निश्चिंत नहीं हो सकते थे। उसके बाद अमेरिका के नेतृत्व में रूस पर 'घातक हमला' हो सकता था। इस समूचे घटनाक्रम में हजारों या लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों लोग जान से हाथ धो बैठते। उस तबाही के निशान सदियों तक पीछा नहीं छोड़ते। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान के हिरोशिमा व नागासाकी में परमाणु हथियारों के दुष्परिणाम सब देख चुके हैं। आज जो परमाणु हथियार मौजूद हैं, वे उनसे कई गुणा ज्यादा शक्तिशाली हैं, लिहाजा कई गुणा ज्यादा तबाही मचा सकते हैं। ऐसे हमले को टालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का मतलब है- 'करोड़ों लोगों के जीवन की रक्षा करना।' भविष्य में जब आधिकारिक दस्तावेज पूरे सबूतों के साथ सार्वजनिक किए जाएंगे तो दुनिया जानेगी कि भारत ने कितने बड़े संकट को टाल दिया था।

ट्वीटर टॉक

जहां द्वारका एक्सप्रेसवे का निर्माण हुआ है, एक समय शाम ढलने के बाद लोग इधर आने से बचते थे। टैक्सी ड्राइवर भी मना कर देते थे कि इधर नहीं आना है। इस पूरे इलाके को असुरक्षित समझ जाता था, लेकिन आज कई बड़ी कंपनियां यहां आकर अपने प्रोजेक्ट लग रही है।

-सीपी जोशी

नए भारत की नमो ड्रोन दीदियों पर हर देशवासी को गर्व है! आज पूरा देश हमारी ड्रोन दीदियों के कौशल का साक्षी बना। जिन्हें हमारी बहन-बेटियों के कौशल पर भरोसा नहीं था, उन्हें देश की सशक्त होती नारीशक्ति की इन तस्वीरों को जरूर देखना चाहिए।

-नरेन्द्र मोदी

शताब्दियों की प्रतीक्षा, प्रण और प्रार्थना के उपरांत आज श्री अयोध्या धाम में केबिनेट के मंत्रीगणों, विधायकगणों व प्रदेश पदाधिकारियों के साथ असंख्य भक्तों की आस्था के अवलंब प्रभु श्री रामलला सरकार के पुण्य दर्शन करने का अति विशेष - अति पावन सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

काया का भ्रामक मोह

वासव नामक भिक्षु बुद्ध का प्रिय शिष्य था। बुद्ध उसे प्रचार प्रसार के लिए दूर दराज के गांवों में भेजा करते थे। एक बार वासव बीमार पड़ा। उसे लगा,वह अब नहीं बचेगा। उसने अपने एक साथी भिक्षु द्वारा इच्छा प्रकट की कि वह अपने अंतिम समय में भगवान को अपने सम्मुख देखना चाहता है। वासव की अंतिम इच्छा का विवरण बुद्ध को सुनाया गया तो बुद्ध उसकी इच्छापूर्ति हेतु उससे मिलने चले आए। बुद्ध को ससंघ अपने समीप आते देख कर वासव उठने की चेष्टा करने लगा ताकि बुद्ध को उचित आसन प्रदान कर सके। बुद्ध उसके सिर पर हाथ फेरकर उसे रोकते हुए उसके समीप बिछे आसन पर बैठ गए। वासव हर्षित स्वर में बोला- भगवन, आपसे मिलने की बड़ी इच्छा थी, जिसे आपने कृपापूर्वक पूरा कर दिया है। बुद्ध बोले, 'शांत वासव, जैसी तुम्हारी काया है, वैसी ही मेरी भी काया है। अगर तुम मुझमें धर्म को देखते हो तो धर्म को ही देखो। तुम व्यर्थ में मेरी काया को देखने की आस में बैठे थे। मैं कहीं भी होता, तुम स्मरण करते तो मैं तुम्हारे पास ही होता। याद रखो, इंसान अपने विचारों और कर्मों से ही महान बनता है। हमें भी इस काया के मोह से दूर ही रहना चाहिए।'

सामयिक

सावित्री बाई फुले : भारतवर्ष में नारी शिक्षा की प्रणेता

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

भारतीय सभ्यता संस्कृति में महिलाओं को गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त था तथा उन्हें देवी के रूप में स्मरित किया जाता था। परन्तु कालान्तर में महिलाओं से संबंधित अनेक दमनकारी रीति-रिवाज विकसित एवं पोषित हुए और उनकी स्थिति दिन-प्रतिदिन बद से बदतर होती गयी। वे जीवन के हर मोड़ पर उपेक्षा एवं भेदभाव की शिकार हुई। अनेक समाज सुधारकों ने इन कुप्रथाओं के विरूद्ध संघर्ष में अपना जीवन न्योछावर तक कर दिया। ऐसे क्रान्तिवीरों में अग्रणी थीं - क्रान्ति ज्योति सावित्री बाई फुले, जिन्होंने आजीवन महिला सशक्तिकरण एवं उनके शैक्षणिक संवर्द्धन हेतु प्रयास किए और जिसका सारगर्भित परिणाम आज हमारे सामने है।

महाराष्ट्र के सतारा जिले के नयागांव में 3 जनवरी 1831 को जन्मीं सावित्री बाई फुले को भारत में नारीवादी आंदोलन का अगुआ माना जाता है। वे स्वयं बाल-विवाह की शिकार हुई थीं, जब मात्र 9 वर्ष की आयु में उनका विवाह 13 वर्षीय बालक ज्योति राव फुले के साथ हो गया था। विवाह के समय वे निरक्षर थीं और खेती-बाड़ी के काम के साथ-साथ उनके पति ने उन्हें घर पर हीं पढ़ाया लिखाया। बाद में सावित्री बाई ने शिक्षक प्रशिक्षण कोर्स में अपना नामांकन करवाया तथा प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरान्त उन्हें भारतवर्ष की प्रथम महिला शिक्षिका एवं प्रधानाध्यापिका बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

सावित्री बाई ने सन 1848 में पूणे के भिंडेवाड़ा में बालिकाओं की शिक्षा के लिए पहला विद्यालय खोला तथा सन 1851 आते-आते उन्होने कुल 3 विद्यालय स्थापित कर लिए, जिनमें 150 बालिकाएं नामांकित थी। अपने महान समाज सुधारक पति ज्योति राव के साथ मिलकर उन्होने देश भर में 18 विद्यालयों की स्थापना की। समाज के कमजोर वर्ग की बालिकाओं को छात्रवृति देकर उन्होंने विद्यालय जाने हेतु प्रोत्साहित किया। फुले दम्पति के पढ़ाने का तरीका इतना लोकप्रिय था कि उनके विद्यालय में नामांकित बालिकाओं की संख्या सरकारी विद्यालयों में नामांकित बालकों से अधिक हो गयी थी।

शिक्षा के प्रचार प्रसार के क्रम में सावित्री बाई को किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ा, उसका अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर अपने विद्यालय जाना पड़ता था, क्योंकि रास्ते में स्थानीय रूढ़िवादी विचारधारा के लोगों के द्वारा उनपर, पत्थर, गोबर, कीचड़, मल-मूत्र फेंके जाते थे तथा भद्दी-भद्दी गालियां दी जाती थीं। परन्तु दृढ़ इच्छाशक्ति की धनी इस लौह महिला ने हार नहीं मानी। सौभाग्यवश महिलाओं एवं अभिवंचित वर्गों के बीच शिक्षा का अलख जगाने और महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने हेतु उनकी अविराम यात्रा में उनके पति उनके हमराही थे। फुले दम्पति को अपना घर-द्वार तक छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उस जमाने में बालिकाओं को शिक्षित करना एक अकल्पनीय कार्य समझा जाता था। हालांकि इस प्रकार की धमकियां उन्हें अपने मिशन से विचलित नहीं कर पायीं।

सिर्फ महिलाओं की शिक्षा हीं सावित्री बाई का

लक्ष्य नहीं था। उन्होने सामाजिक कुरीतियों यथा- बाल विवाह, सती प्रथा तथा जाति-व्यवस्था के विरूद्ध लम्बी लड़ाई लड़ी तथा महिलाओं के अधिकारों की वकालत करनेवालों में प्रमुख रहीं। उन्होने जाति प्रथा के विरोध स्वरूप अभिवंचित वर्ग के लोगों को पीने का पानी मुहैया करने के उद्देश्य से अपने घर के पास एक कुंआ खुदवाया तथा बलात्कार की शिकार गभर्वती महिलाओं के लिए बालहत्या प्रतिबंधक गृह नामक देखभाल केन्द्र की स्थापना की। उन्होने महिलाओं के एक स्थान पर इकट्ठा होने एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक महिला सेवा मंडल की स्थापना भी की। अपने पति के द्वारा स्थापित सामाजिक संस्था सत्य शोधक मंडल के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष थीं। नारीमुक्ति आंदोलन की नेत्री होने के साथ-साथ सावित्री बाई एक प्लेग-योद्धा भी थीं। सन 1897 में नालासोपरा के आसपास के क्षेत्रों में वैश्विक बुबोनिक प्लेग महामारी से पीड़ित लोगों के सेवार्थ उन्होंने अपने दत्तक पुत्र यशवंत के साथ मिलकर एक क्लीनिक खोला। प्लेग पीड़ितों की सेवा के दौरान वे एक रोगी के शारीरिक संपर्क मे आ गयी। परिणामस्वरूप वे भी प्लेग की चपेट में आ गयीं, जो अंततः 10 मार्च 1897 को उनके आकस्मिक मृत्यु का कारण बन गया।

सावित्री बाई सामाजिक न्याय की कट्टर पक्षधर होने के साथ-साथ एक लेखिका एवं कवयित्री भी थीं, जिन्होने समाज में व्याप्त ब्राह्मणवादी आधिपत्य पर प्रश्न उठाया। उन्होंने 1854 में काव्य फुले तथा 1892 में बावन काशी सुबोध रत्नाकर का प्रकाशन किया। उन्होंने गो, गेट एजुकेशन नामक एक कविता की रचना की, जिसमें समाज के अभिवंचित वर्ग के लोगों को शिक्षा प्राप्त कर स्वयं को मुक्त करने की अपील की गयी है। उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया तथा भूत, वर्तमान एवं भविष्य तीनों काल खंडों में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। भारत की प्रथम शिक्षिका होने के नाते उनका जन्म दिवस राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए था, पर दुर्भाग्यवश ऐसे सुअवसरों को राजनैतिक दिग्गजों के द्वारा हड़प लिया गया है।

सावित्री बाई फुले उन प्रख्यात हस्तियों में से एक हैं, जिनकी स्मृति हमारे राष्ट्र का सदैव मार्गदर्शन करती रहेगी। भारतवासी उनके जन्म दिवस एवं पुण्य तिथि पर उन्हें इस श्रद्धा एवं विश्वास के साथ श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में उनके द्वारा कृत कार्य एवं विचार आगे आने वाले वर्षों में हमारे लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

मंथन

ममता बनर्जी ने कांग्रेस को दिखाई औकात

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी ने बंगाल में अपने 42 लोकसभा उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा करकांग्रेस को उसकी औकात दिखा दी। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन को बंगाल में जोरदार झटका लगा है। कांग्रेस नेताओं की इस पर भिन्न भिन्न प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही है। बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता को धोखेबाज़ घोषित किया है। अधीर रंजन की सीट बहरामपुर से तृणमूल ने क्रिकेटर यूसुफ पठान को टिकट दिया है। अधीर रंजन लगातार 5वीं बार यहां से सांसद बने। ममता बनर्जी ने तगड़ा दांव चलते हुए पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान को उनके मुकाबले में उतार दिया। अधीर रंजन चौधरी हमेशा से तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी करते रहे। उन्होंने इस गठबंधन का लगातार विरोध किया। एकबार तो उन्होंने बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग भी की थी। 2019 लोकसभा चुनाव में अधीर रंजन ने 45.43 फीसदी वोट हासिल कर शानदार जीत दर्ज की थी। वहीं तृणमूल कांग्रेस 39.23 फीसदी और बीजेपी को 10.99 फीसदी वोट मिले थे। इस क्षेत्र में मुस्लिम वोटरों को ज्यादा संख्या को ध्यान में रखते हुए ही तृणमूल ने मुस्लिम कार्ड चला है। पार्टी को लग रहा कि यूसुफ पठान के चुनाव मैदान में आने से वोट बंट सकते हैं। ऐसे में अधीर रंजन की सीट फंस सकती है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से साफ कर दिया गया था कि कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं होने में बड़ा रोल अधीर रंजन चौधरी का था। तृणमूल की ओर से उम्मीदवारों के नामों का ऐलान करने के बाद कांग्रेस ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी ने साबित कर दिया कि किसी भी राजनीतिक नेता या पार्टी को उन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। इसके विपरीत कांग्रेस के कई अन्य नेताओं ने कहा ममता इण्डिया गठबंधन की हिस्सा है। कांग्रेस लगातार इस कोशिश में थी ममता बनर्जी से वार्ता कर उन्हें गठबंधन में जोड़े रखा जाए। मगर ममता के मन की थाह लेने में कांग्रेस चूक गई। बंगाल की सभी 42 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस ने अपने कैंडिडेट उतार भी दिए और कांग्रेस देखती रह गई।

तृणमूल कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा से इंडिया गठबंधन को एक के बाद एक झटके लग रहे है। लगता है राहुल गांधी की न्याय यात्रा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कोई

नवजीवन नहीं दे पाई है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पाला बदलने से इंडिया ब्लाक सदमे में है। इससे कांग्रेस की आशाओं का तुषारापात तो हुआ ही है, वहीं लालू यादव का अपने पुत्र तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने का सपना भी चकनाचूर हो गया। रही सही कसर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अकेले चलो का एलान कर पूरी कर दी है। लोकसभा चुनाव अब दूर नहीं है। एनडीए लगातार मजबूती की ओर अग्रसर है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से भाजपा को बुस्टर डोज़ लगा है। कांग्रेस अपने गठबंधन को आज तक सियासी चुनावी मोड़ पर नहीं पहुंचा पाई है।

बंगाल में इंडिया ब्लॉक बिखर चुका है। पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें है। इनमें से पिछले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 22, भजपा ने 18 और कांग्रेस ने 2 सीटें हासिल की थी। यहां लाख कोशिशों के बाद भी इंडिया ब्लॉक में एकजुटता स्थापित नहीं हो पायी। वामपंथी पार्टियों का पहले से ही ममता से छतीस से आंकड़ा है। ममता ने आरोप लगाया है वामपंथियों ने बंगाल में खून की नदियां बहाई थी इसलिए उनसे किसी प्रकार का समझौता नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने माकपा, कांग्रेस और भाजपा पर पश्चिम बंगाल में मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा तीनों गठबंधन बनाकर हमारे खिलाफ प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने साफतौर पर कह दिया बंगाल में भाजपा के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस लड़ेगी, क्योंकि वही भाजपा को सबक सीखा सकती है। ममता लगातार मोदी पर हमला करने वाली नेत्री के रूप में प्रसिद्ध है। ममता ने प्रधान मंत्री मोदी की सबसे बड़ी आलोचक के रूप में अपनी छवि बनाई है। वे लगभग हर मामले में मोदी की आलोचना से नहीं चूकती। गौरतलब है बंगाल की कुल 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर भाजपा का कब्ज़ा है। अगले चुनाव में भाजपा इन सीटों में बढ़ोतरी का प्रयास कर रही है वहीं ममता की पार्टी भाजपा से इन सीटों को छीनने के लिए हर संभव प्रयास में जुटी है।

नजरिया

राजस्थान में कांग्रेस उतारेगी हैवीवेट प्रत्याशी

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजस्थान के लिए अभी किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 25 में से 15 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कांग्रेस चुनाव समिति की तरफ से अभी तक देश भर में कुल 39 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है। आने वाले एक-दो दिनों में कांग्रेस पार्टी द्वारा कई अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाने वाली है। जिसमें राजस्थान के प्रत्याशियों के नाम भी शामिल होने की बात कही जा रही है। राजस्थान में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा में देरी के पीछे कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश में दो क्षेत्रीय दलों से चुनावी गठबंधन करने की संभावना को बताया जा रहा है।

राजस्थान में पिछले दो बार से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया था। प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर दोनों बार भाजपा के प्रत्याशी जीते थे। मगर इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतरना चाहती है जो भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर तो देंगे ही साथ ही प्रदेश में जीत का खाता भी खोल सकेंगे। तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव में हार चुकी कांग्रेस पार्टी के पास अब प्रदेश में खोने को कुछ नहीं बचा है।

ऐसे में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं का मानना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चलते हुए पूरी ताकत के साथ चुनाव लडेगी। इसी श्रृंखला में कांग्रेस के सभी प्रदेश स्तरीय बड़े नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतार जायेगा। हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता लोकसभा चुनाव लड़ने में आनाकानी कर रहे हैं। मगर कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मैदान में उतारा है। उसको देखकर लगता है कि अब राजस्थान में भी कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ना ही पड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। मगर उनके गृह क्षेत्र जोधपुर में दो बार से लगातार कांग्रेस हार रही है। पिछली बार तो उनके पुत्र वैभव गहलोत भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से करीबन 3 लाख से अधिक मतों से चुनाव हार गए थे। इसलिए इस बार कांग्रेस आलाकमान स्वयं अशोक गहलोत को जोधपुर से चुनाव मैदान में उतारने जा रहा है। अशोक गहलोत जोधपुर से पांच बार सांसद तथा जोधपुर संसदीय क्षेत्र के ही सरदारपुर से छठी बार विधायक बने हैं। ऐसे में अशोक गहलोत के खुद के चुनाव लड़ने से चुनावी मुकाबला कांटे का होने की संभावना जताई जा रही है। अशोक गहलोत के लोकसभा चुनाव लड़ने का असर प्रदेश की अन्य लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी।

इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को टोंक-सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में उतर जाएगा। पायलट अभी टोंक से विधायक है तथा पूर्व में दौसा व अजमेर से सांसद रह चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को सीकर लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। डोटासरा सीकर लोकसभा क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ से चौथी बार विधायक का चुनाव जीते हैं। पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गोविंद राम मेघवाल को बीकानेर सुरक्षित सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा।

पूर्व मंत्री मुरारीलाल मीणा को दौसा संसदीय सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। पिछली बार उनकी पत्नी सविता मीणा को टिकट दिया गया था जो भाजपा की जसकौर मीणा से 78444 वोटो से चुनाव हार गई थी। अजमेर से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री रघु शर्मा को चुनाव लड़वाये जाने की चर्चा चल रही है। रघु शर्मा इस बार केकड़ी से विधानसभा चुनाव हार गये हैं। बाड़मेर से पूर्व मंत्री हरीश चौधरी को चुनाव लड़वाया जा सकता है। हरीश चौधरी अभी विधायक भी है तथा पूर्व में बाड़मेर से सांसद भी रह चुके हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को राजसमंद से चुनाव लड़वाया जा सकता है। सीपी जोशी पिछला विधानसभा चुनाव नाथद्वारा सीट से हार चुके हैं। वह पूर्व में कई बार विधायक व भीलवाड़ा से सांसद, केन्द्र सरकार में मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं तथा राजस्थान कांग्रेस में बड़े नेता माने जाते हैं। कोटा से पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को चुनाव लड़वाने की चर्चा चल रही है। धारीवाल वर्तमान में कोटा उत्तर से विधायक है तथा पूर्व में कोटा से सांसद, कोटा के जिला प्रमुख व कई बार मंत्री रह चुके हैं।

झालावाड़ सीट से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का नाम चर्चाओं में है। उदयपुर सीट से रघुवीर मीणा को चुनाव लड़वाने की चर्चा है। हालांकि रघुवीर मीणा पिछले कई चुनाव हार चुके हैं मगर फिर भी वह उदयपुर से कांग्रेस के सबसे मजबूत उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं वह पूर्व में उदयपुर से सांसद हुए कई बार विधायक रह चुके हैं। महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा में जाने के बाद बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट पर मौजूदा विधायक नानालाल निभाना की दावेदारी मजबूत हो रही है। हालांकि कांग्रेस भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन पर चर्चा कर रही है। यदि गठबंधन होता है तो बांसवाड़ा सीट कांग्रेस को छोड़नी पड़ेगी। जयपुर शहर से कांग्रेस अल्पसंख्यक समाज के विधायक सलीम कागजी को चुनाव लडवा सकती है। कागजी दूसरी बार विधायक बने हैं तथा कांग्रेस में बड़े अल्पसंख्यक चेहरे हैं। अलवर से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। जितेंद्र सिंह पूर्व में अलवर से सांसद, विधायक व केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भीलवाड़ा से पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट तथा पाली से दिव्या मदेरणा को चुनाव लड़वाया जाएगा। झुंझुनू में पूर्व मंत्री विजेंद्र ओला को चुनाव लड़वाया जाएगा। विजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला झुंझुनू से लगातार पांच बार सांसद व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। विजेन्द्र ओला अभी झुंझुनू से चौथी बार विधायक है तथा गहलोत सरकार में राज्य मंत्री थे। चूरू से भाजपा के सांसद राहुल कस्वां को कांग्रेस प्रत्याशी बन सकती है। राहुल कस्वां का भाजपा ने टिकट काट दिया है। राहुल कस्वां दूसरी बार चूरू से सांसद हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चार बार चूरू से सांसद व राजगढ़ से विधायक रह चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि राहुल कस्वां कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े।

राजस्थान में कांग्रेस हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तथा भारतीय आदिवासी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन कर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मजबूत कर चुनाव लड़ना चाहती है। हनुमान बेनीवाल नागौर व बाड़मेर सीट तथा भारतीय आदिवासी पार्टी बांसवाड़ा-डूंगरपुर तथा उदयपुर सीट मांग रही है। ऐसे में कांग्रेस के बड़े नेता दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं से बात कर गठबंधन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। राजस्थान में दोनो क्षेत्रीय पार्टियों से गठबंधन होने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर देगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री मोदी के अरुणाचल दौरे को लेकर चीन ने भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराया

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले सप्ताह अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने को लेकर उसने भारत के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है, और भारत के इस कदम से सीमा विवाद के ''केवल (और) जटिल होने'' की बात कही।

चीन ने क्षेत्र पर फिर से अपना दावा जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सेला सुरंग राष्ट्र को समर्पित की। यह सुरंग सामरिक महत्व रखने वाले तवांग तक हर मौसम में सड़क संपर्क मुहैया करेगी और इससे सीमांत क्षेत्र में सैनिकों की सुगमता से आवाजाही सुनिश्चित होने की भी उम्मीद है।

असम के तेजपुर को अरुणाचल के पश्चिम कामेंग जिले से जोड़ने वाली सड़क पर यह सुरंग बनाई गई है। इसे इतनी ऊंचाई पर स्थित विश्व की सबसे लंबी दोहरी लेन वाली सड़क सुरंग बताया जा रहा है।

सैन्य अधिकारियों के अनुसार, चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी)पर स्थित विभिन्न अग्रिम स्थानों तक सैनिकों एवं हथियार प्रणाली सेला सुरंग के जरिये सुगमता से पहुंचाई जा सकेगी।

चीन, अरुणाचल के दक्षिण तिब्बत होने का दावा करता है। वह अपने इस दावे पर जोर देने के लिए, भारतीय नेताओं के राज्य का दौरा करने पर नियमित रूप से आपत्ति जताता रहा है। बीजिंग ने इलाके का नाम जैंगनान रखा है।

वहीं, भारत ने अरुणाचल पर चीन के दावे को बार-बार खारिज करते हुए कहा है कि यह राज्य देश (भारत) का अभिन्न हिस्सा है। नई दिल्ली ने इलाके का नामकरण करने के चीन के कदम को खारिज करते हुए कहा है कि यह सच्चाई को नहीं बदल सकता।

मोदी के अरुणाचल दौरे के बारे में, सोमवार को यहां एक प्रेस वार्ता में आधिकारिक मीडिया द्वारा पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, जैंगनान इलाका चीन का भू-भाग है। उन्होंने कहा,''चीन ने भारत के तहत अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी है और इसका पुरजोर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि चीन-भारत सीमा विवाद का हल अब तक नहीं हुआ है। भारत के पास, चीन के जैंगनान के इलाके का मनमाना विकास करने का कोई अधिकार नहीं है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, भारत के संबद्ध कदम सीमा विवाद को केवल (और) जटिल करेंगे। चीन, चीन-भारत सीमा के पूर्वी खंड का प्रधानमंत्री द्वारा किए गए दौरे का दृढ़ता से विरोध करता है। वांग ने कहा, हमने भारत के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है।

पूजा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवत रेड्डी अपनी पत्नी एम.गीता के साथ मोनाडी में भगवान श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी की पूजा करते हुए।

पाकिस्तान में हाल में हुई बारिश के कारण दिलीप कुमार का पैतृक आवास क्षतिग्रस्त

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का पैतृक आवास हाल में हुई बारिशों के चलते गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद लगभग ढहने के कगार पर है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मूसलाधार बारिश ने घर के पुनर्वास और नवीनीकरण के बारे में खैबर पख्तूनख्वा के पुरालेख विभाग के बड़े-बड़े दावों की पूरी तरह से पोल खोल दी है।

दिलीप कुमार का जन्म 1922 में पेशावर शहर के ऐतिहासिक किस्सा ख्वानी बाजार के पीछे मुहल्ला खुदादाद में स्थित इस घर में हुआ था और 1932 में भारत जाने से पहले उन्होंने अपने शुरुआती 12 साल यहीं बिताए थे।

पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इस घर को पाकिस्तान का राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित किया था। कुमार एक बार अपने घर आए थे और उन्होंने भावुक होकर वहां की मिट्टी को चूम लिया था।

खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की विरासत परिषद के सचिव शकील वहीदुल्ला खान ने कहा कि पेशावर में हाल में हुई बारिश ने कुमार के घर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है।वर्ष 1880 में बनी इस संपत्ति के बारे में उन्होंने कहा कि खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की पिछली सरकार ने काफी सारे अनुदान देने का वादा किया था, इसके बावजूद इस राष्ट्रीय विरासत की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया है।

दुनिया भर से यहां आने वाले पर्यटक ऐतिहासिक संपत्ति की जर्जर हालत देखकर निराश हो जाते हैं।

पुरालेख विभाग द्वारा घर का अधिग्रहण करने से पहले इसकी देखभाल करने वाले मुहम्मद अली मीर ने कहा कि वह बहुत सावधानी से इसकी उचित तरीके देखभाल कर रहे थे।

लोकसभा चुनाव महाभारत की तरह अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाईः नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहरामपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को आगामी लोकसभा चुनाव की महाभारत से तुलना करते हुए कहा कि चुनाव 'अच्छाई और बुराई' तथा 'न्याय एवं अन्याय' के बीच की लड़ाई होगी।

पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस लड़ाई को जीतेंगे क्योंकि वह 'देश की सुरक्षा, समृद्धि और सभी के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, मोदी जी ने पांडवों की तरह ही न्याय, नैतिकता और सच्चाई का ध्वज धारण कर रखा है। उन्होंने नकली धर्मनिरपेक्ष लोगों के राजनीतिक पूर्वाग्रह को सभी के लिए समान विकास को प्राथमिकता देकर बदल दिया है। हालांकि, कौरव भारत के वैश्विक गौरव को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा नेता जिला मुख्यालय बहरामपुर पर पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन, कोर कमेटी और चुनाव प्रबंधन समिति और अन्य चुनाव संबंधी कार्यक्रम की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रगति के रास्ते से सभी बाधाओं को दूर करके मोदी देश की दिव्यता और गरिमा को बनाए हुए हैं।

कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए, नकवी ने कहा कि 'वंशवाद का गिरोह' 'लोकतंत्र के गौरव' का अपहरण नहीं कर सकता।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर हमला करते हुए नकवी ने कहा कि 'कांग्रेस का गोदी गिरोह' 'भ्रष्टाचारियों का गठजोड़' बन गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मोदी का करिश्मा हर किसी पर हावी रहेगा।

नकवी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय ने भाजपा को हराने के अपने ''फैशन'' (चलन) को भाजपा का समर्थन करने के ''पैशन'' (जुनून) में बदल दिया है।

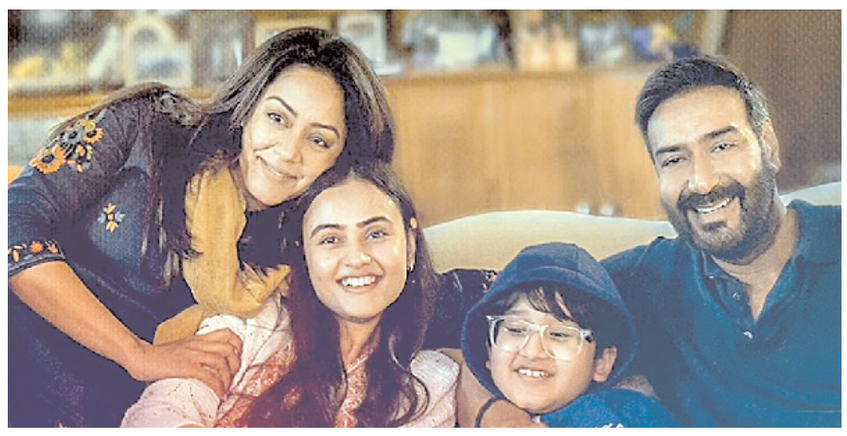

तीन दिन में 50 करोड़ के पार हुई 'शैतान', भोला को छोड़ा पीछे

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन और आर. माधवन की फिल्म 'शैतान' से इन दिनों सिनेमाघरों की रौनक बढ़ गई है। दर्शक फिल्म पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और थिएटर की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। उन्हें लीक से हटकर बनाई गई इस फिल्म की कहानी आकर्षित कर रही है। फिल्म 8 मार्च को रिलीज हुई थी। इसने तीन दिन में ही भारत में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए का खास आंकड़ा छू लिया है। 'शैतान' ने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

इसके बाद शनिवार को भी इसका जादू बरकरार रहा और इसने 18.75 करोड़ रुपए अपनी झोली में डाल लिए। अब तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसने रविवार (10 मार्च) को 20 करोड़ रुपए कमाए। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 53.50 करोड़ रुपए पहुंच गई है। इस मामले में अजय की ही फिल्म 'भोला' पिछड़ गई जो पिछले साल 30 मार्च को रिलीज हुई थी। 'भोला' ने तीन दिन में 30.8 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। 'शैतान' ने पूरी दुनिया में 60 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके डायरेक्टर विकास बहल और प्रोड्यूसर अजय देवगन हैं।

फिल्म 'द गोट लाइफ' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जाने माने अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की आने वाली फिल्म 'द गोट लाइफ' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पृथ्वीराज सुकुमारन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'द गोट लाइफ' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 'द गोट लाइफ' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन बेहतर जीवन के तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन उनके सामने जीवन की कई मुश्किलें सामने आ रही हैं और वे खुद भी कष्टों में जूझ रहे हैं। फिल्म 'द गोट लाइफ' लोकप्रिय बेस्टसेलर उपन्यास 'आदु जीविथम' पर आधारित है। मशहूर लेखक बेन्यामिन द्वारा लिखित यह उपन्यास एक युवक नजीब के जीवन की सच्ची कहानी है, जो 90 के दशक की शुरुआत में विदेश में भाग्य की तलाश में केरल के हरे-भरे तटों से पलायन करता है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने कहा कि यह एक लंबी यात्रा रही है और आसान नहीं है। एक दशक के लंबे इंतजार के बाद दर्शकों को हमारी कड़ी मेहनत और उथल-पुथल का फल देखने को मिलता है। कोविड के दिनों से लेकर आज तक 'द गोट लाइफ' एक अप्रत्याशित और अविस्मरणीय यात्रा रही है। एआर रहमान जैसे उस्ताद को संगीत को जीवंत करते देखना सम्मान की बात है। द गोट लाइफ हमारे लिए सिर्फ एक फिल्म से कहीं अधिक है, यह एक ऐसी कहानी है, जिसने हमारे दिलों को छू लिया है और हमेशा हमारे साथ रहेगी।

हमें उम्मीद है कि दर्शकों को भी ऐसा ही महसूस होगा।' विजुअल रोमांस द्वारा निर्मित 'द गोट लाइफ' में पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ हॉलीवुड अभिनेता जिमी जीन-लुई, अमला पॉल और केआर गोकुल, तालिब अल बलुशी और रिक एबी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत निर्देशन एआर रहमान ने किया है। यह फिल्म 28 मार्च को रिलीज होने वाली है।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' साबित करेंगे बहुमत

काठमांडू/भाषा। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' बुधवार को प्रतिनिधि सभा में बहुमत साबित करेंगे। कुछ दिन पहले उन्होंने नेपाली कांग्रेस से नाता तोड़कर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्कसिस्ट-लेनिनिस्ट) (सीपीएन-यूएमएस) के साथ नया गठबंधन किया था। प्रतिनिधि सभा में तीसरे सबसे बड़े दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेता प्रचंड ने रविवार को इस संबंध में संसदीय सचिवालय को एक पत्र भेजा था। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, किसी भी सहयोगी दल के समर्थन वापस लेने के बाद प्रधानमंत्री को विश्वास मत हासिल करना होता है। प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़े दल नेपाली कांग्रेस का समर्थन खोने के बाद प्रचंड के लिए बहुमत साबित करना आवश्यक है।

नई सरकार को विश्वास मत साबित करने के लिए 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में कम से कम 138 वोटों की आवश्यकता है।

प्रचंड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को फिलहाल संसद के निचले सदन में 150 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। प्रतिनिधि सभा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी, पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल के पास 76 सीटें हैं, जबकि तीसरी सबसे बड़ी पार्टी सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के पास 32 सीटें हैं। इसी तरह, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, जनता समाजवादी पार्टी और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट के पास क्रमशः 20, 12 और 10 सीटें हैं।

संचालन

हैदराबाद में पोषण विशेषज्ञ, लेखिका और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिवक्ता रुजुता दिवाकर ने सोमवार को एफएलओ हैदराबाद चैप्टर में मंत्रा स्वास्थ्य, सौंदर्य और हार्मोन का संचालन किया।

फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' में स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आयेंगे इमरान हाशमी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आयेंगे। करण जौहर के धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन' में सारा अली खान की मुख्य भूमिका है।'ऐ वतन मेरे वतन' की कहानी उस हीरो की है, जिसके रेडियो ने ब्रिटिश राज को हिलाकर रख दिया था। इस फिल्म में इमरान हाशमी गेस्ट अपीयरेंस में हैं, जो फिल्म में स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया के किरदार में नजर आयेंगे।प्राइम वीडियो ने एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें राम मनोहर लोहिया के रूप में इमरान हाशमी नजर आ रहे है।

इमरान हाशमी ने कहा, मैंने पहले कभी स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका नहीं निभाई है, और राम मनोहर लोहिया के रूप में खुद को ढ़ालने का मौका मिलना एक बेहद सम्मान की बात थी। मैंने कन्नन और दरब के साथ मिलकर काम किया और उनके द्वारा की गई व्यापक रिसर्च को समझने की कोशिश की, लोहिया जी के इतिहास और यात्रा को समझा और उसमें अपना अंदाज जोड़ा।मैं दर्शकों को मुझे इस नए रूप में देखने का इंतजार कर रहा हूं। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है जिसे न केवल बताया जाना चाहिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित किया जाएगा। कन्नन अय्यर के निर्देशन में बनी ए वतन मेरे वतन में सारा अली खान के अलावा सचिन खेडेकर, अभय वर्मा, स्पर्श श्रीवास्तव, एलेक्स ओ'नील और आनंद तिवारी भी हैं। 'ऐ वतन मेरे वतन' को करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने बनाया है।

फिल्म 'बड़े घर की बेटी' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

बी4यू मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत नीलम तिवारी फिल्म प्राइवेट लिमिटेड (ओपीसी) के बैनर से बनने वाली भोजपुरी फिल्म बड़े घर की बेटी की शूटिंग शुरू हो गई है। बड़े घर की बेटी में अंजना सिंह और यामिनी सिंह मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस फिल्म के निर्माता संदीप सिंह, अंजनी तिवारी और नीलाभ तिवारी हैं, जबकि निर्देशक संजीव बोहरपी हैं। फिल्म के निर्देशक संजीव बोहरपी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग जोरों शोरों से चल रही है। इस फिल्म की कहानी दर्शकों के दिलों को छू लेगी। उन्होंने कहा कि बचपन में मुंशी प्रेमचंद की कहानी बड़े घर की बेटी पढ़ा था, फिर इस टाइटल से हिंदी सिनेमा में एक फिल्म भी बनी थी। लेकिन हमारी यह फिल्म इन दोनों से काफी अलग है और फ्रेश कहानी के साथ हम दर्शकों के सामने आएंगे। फिल्म की कास्टिंग भी कहानी के हिसाब से ही की गई है इसलिए हमें लगता है कि यह फिल्म दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स को भी पसंद आएगी।

वहीं फिल्म को लेकर अंजना सिंह ने कहा कि कथ्य प्रधान फिल्मों में काम करने का अपना ही अंदाज होता है। मैंने भोजपुरी में बहुत सारी फिल्में की है, लेकिन यह फिल्म उन सभी फिल्मों से अलग है और मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी रिलीज होगी, दर्शक इसे जरूर सिनेमाघर में जाकर देखेंगे। यामिनी सिंह ने भी इस फिल्म को लेकर अपने एक्साइटमेंट का इजहार किया और कहा कि अलग-अलग तरह की कहानी के किरदार को जीना मेरी प्राथमिकता रही है। उम्मीद है यह फिल्म भी दर्शकों को बेहद पसंद आए।

फिल्म बड़े घर की बेटी का कथा संवाद अरविंद तिवारी ने लिखा है और कला अंजनी तिवारी का है। डीओपी विजय मंडल का है। नृत्य कानू मुख़र्जी, सोनू प्रीतम, संगीत साजन मिश्रा और गीत प्यारेलाल यादव, अरबिंद तिवारी का है। फिल्म के कार्यकारी निर्माता-अभिषेक त्रिपाठी हैं।इस फिल्म में अंजना सिंह, यामिनी सिंह, अविनाश साही राकेश बाबू , संतोष श्रीवास्तव , प्रेम दुबे,कंचन मिश्रा, सोनाली मि मिश्रा मिश्रा,भूपेंद्र सिंह बीना पांडे मुख्य भूमिका में हैं।

पटना शुक्ला में अन्याय के खिलाफ लड़ती नजर आएंगी रवीना टंडन

मुंबई/एजेन्सी

सुपरस्टार सलमान खान ने रवीना टंडन की अपकमिंग फिल्म 'पटना शुक्ला' का ट्रेलर जारी किया है। इस फिल्म में एक्ट्रेस अन्याय के खिलाफ एक छात्रा के लिए केस लड़ती नजर आएंगी। पटना शुक्ला एक आम महिला तन्वी शुक्ला (रवीना) की कहानी है जो उसी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। रवीना फिल्म में एक छात्रा का केस लड़ेंगी, जिसे भरोसा है कि उसने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया, मगर उसे उसके हिसाब से नंबर नहीं मिले। एक्स पर सलमान खान ने एक मिनट और 54 सेकंड का वीडियो शेयर किया है जिसकी शुरुआत तन्वी के रूप में रवीना के मेहमानों को चाय और नाश्ता परोसने से शुरु होती है। वह कहती है कि हम सिर्फ हाउसवाइफ नहीं हैं, जिस पर एक आदमी जवाब देता है, तन्वी भाभी वकील भी हैं। तन्वी के पति का किरदार निभाने वाले मानव विज कहते हैं, ये एफिडेविट बहुत अच्छा बनाती हैं। वीडियो में एक छात्रा को दिखाया गया है, जो परीक्षा रोल नंबर घोटाले से संबंधित अपना केस लड़ने के लिए तन्वी के पास आती है।

स्निपेट में जतिन गोस्वामी को एक राजनेता के रूप में दिखाया गया है जो तन्वी को रिंकी कुमारी (अनुष्का कौशिक) का मामला छोड़ने की धमकी दे रहा है। तन्वी जवाब देती है कि क्या कर लेंगे आप, मरवा देंगे? जतिन कहते हैं कि हम आज कल के नेता हैं, अवैध काम वैध तरीके से करते हैं। इसमें आगे दिखाया गया है कि कैसे इस केस की वजह से तन्वी के पति की नौकरी चली जाती है।

वीडियो तन्वी के यह कहने के साथ समाप्त होता है कि हम नहीं झुकेंगे। वीडियो शेयर करते हुए सलमान ने लिखा कि रोल-नंबर स्कैम है केस जिनका अगला, स्वागत करो रवीना का 'पटना शुक्ला' में। रवीना ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि अन्याय से दबी आवाज के लिए, न्याय का आगाज करने आ रही है तन्वी। यह फिल्म रोल नंबरों के शिक्षा घोटाले पर प्रकाश डालती है जो भारत में हजारों ईमानदार छात्रों के जीवन को प्रभावित करता है। यह दो महिलाओं की दिल छू लेने वाली कहानी है जो दबावों और मातृत्व की जिम्मेदारियों से निपटते हुए न्याय के लिए लड़ने के लिए आगे बढ़ती हैं। फिल्म में चंदन रॉय सान्याल और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक भी हैं। अरबाज खान प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित और विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित, कोर्ट रूम ड्रामा 29 मार्च से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 12-03-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

अणुव्रत अमृत महोत्सव संपूर्ति समारोह के अंतर्गत अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत व्याख्यान माला का आयोजन केंगेरी सेटेलाइट टाउन स्थित ज्ञान बोधिनी स्कूल में किया गया जिसमें 500 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

'शब्द' की रचनागोष्ठी में फूलों की होली की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' से जुड़े रचनाकारों ने बीते रविवार को धूमधाम से वसंतोत्सव मनाया। रचनाकारों ने अपनी मासिक रचनागोष्ठी में वसंत पर विविध भाव-व्यंजना की एक-से-एक उम्दा रचनाएँ सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही लूटी। कार्यक्रम के अंत में कवि-लेखकों ने जमकर फूलों की होली खेली। वसंतोत्सव के मुख्य अतिथि थे राजधानी नई दिल्ली से पधारे प्रसिद्ध आलोचक डॉ ज्योतिष जोशी। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे हजारीबाग से पधारे डॉ शिवनंदन सिन्हा। कार्यक्रम की अध्यक्षता की वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर ने तथा कार्यक्रम का संचालन किया गीतकार आनंदमोहन झा ने।

मुख्य अतिथि डॉ जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के बदलते भारत में महानगरों में रहने वालों के लिए होली का पर्व अपनी जड़ों की याद का बहाना है। जड़ों से जुड़े रहना हमारी सभ्यता का विलक्षण गुण है। पश्चिम के देशों में यह नदारद है। यूरोप आज मर रहा है, जबकि भारत के जीवन मूल्य शाश्वत हैं। यही गांधी के स्वराज की शिक्षा है, जिसे उन्होंने तुलसी के रामचरित मानस से लिया। तुलसी ने भी

स्वराज को ऋगवेद से ग्रहण किया। मानस भारतीय जीवन मूल्य की निरंतरता का ग्रंथ है, जिसमें स्वराज की संकल्पना बालकांड से उत्तरकांड तक हर जगह है। उन्होंने अपनी एक कविता से अपना वक्तव्य समाप्त किया। गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि डॉ शिवनंदन सिन्हा ने कहा कि कविता की उद्भावना में करुणा के साथ-साथ शौर्य की भी भूमिका होती है। उन्होंने दो कविताएँ भी सुनाई। कार्यक्रम के आरंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने कविता की पक्षधरता की चर्चा करते हुए कहा कि उसे मनुष्यता की मातृभाषा कहा गया है। संकटकाल में मनुष्य अपनी मातृभाषा में बोलता है। इस तरह से कविता मनुष्यता के उत्थान एवं परिष्कार के सपने सँजोती ह

कार्यक्रम का आगाज सुचित्रा कौल मिश्रा की सरस्वती वंदना से हुआ। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, अनिल अत्रे, मथुरा कलौनी, दीपक सोपोरी, महिमा रस्तोगी और डॉ उषारानी राव की कविताएँ श्रोताओं द्वारा खूब सराही गयीं। कार्यक्रम के संचालक आनंद मोहन झा, ज्योति तिवारी, पल्लवी शर्मा, लोकेश मिश्रा, बिन्दु रायसोनी, उषा श्रीवास्तव और नलिनी पोपट तथा श्रीकांत शर्मा के गीतों का जादुई असर देखा गया। राजेंद्र गुलेछा, रमाकांत गुप्ता, गीता चौबे गूँज, मुकेश कर्ण, उर्मिला श्रीवास्तव उर्मि, डॉ सुधा दीक्षित, डॉ स्वर्ण ज्योति, स्वीटी सिंघल, कविता भट्ट, पुष्पा पुष्प, राजगुरु आदि की काव्य-प्रस्तुतियाँ भी प्रभावी रहीं। वेदप्रकाश भारद्वाज, वरुण सिंह तन्हा और इफ़्फत फरीदी की गजलों ने श्रोताओं की खूब तालियाँ बटोरीं। कार्यक्रम में 'शब्द' के सलाहकार श्रीकांत पाराशर, बाबूलाल गुप्ता, राजेश्वर सिंह, भूपेन पोपट, हरिश्चंद्र झा, सहित अन्य की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। समापन 'शब्द' के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गुलेच्छा के आभार ज्ञापन से हुआ। फूलों की होली से वसंतोत्सव का समापन हुआ।

अणुव्रत व्याख्यान माला में लाभान्वित हुए स्कूली विद्यार्थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत अमृत महोत्सव संपूर्ति समारोह के अंतर्गत अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत व्याख्यान माला का आयोजन केंगेरी सेटेलाइट टाउन स्थित ज्ञान बोधिनी स्कूल में किया गया जिसमें 500 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय के प्रधान अध्यापिका जिन क्रिस्ता ने अणुव्रत समिति के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टैक्ट की जानकारी दी। समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने अणुव्रत गीतिका का गान किया। सुमित्रा बरडिया ने खेल के माध्यम से बच्चों को मनोरंजन करवाया। मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने सभी का स्वागत किया तथा अणुव्रत डिजिटल डिटॉक्स की जानकारी दी। मुख्य वक्ता के रुप में उपस्थित समाजसेवी चंद्रशेखरय्या ने अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री तुलसी एवं अणुव्रत के नियमों से बच्चों को अवगत करवाया।

उन्होंने गुरुदेव तुलसी पर आधारित चलचित्र दिखाकर बच्चों को अणुव्रत की जानकारी दी। उपाध्यक्ष मानकचंद संचेती व ललित डागा ने विचार व्यक्त किए। पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल ने संचालन किया तथा सुमित्रा बरड़िया ने धन्यवाद दिया।

नए फैशन कलेक्शन के साथ आई हाई लाइफ प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के मशहूर फैशन शोकेस के तौर पर मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी नए फैशन कलेक्शन के साथ वापस आ गई है। यह मंगलवार को द ललित अशोक में शुरू होगी।

आयोजकों ने बताया कि फैशन, स्टाइल, डेकोर और लग्जरी के साथ यह प्रदर्शनी 12 मार्च से 14 मार्च तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है। यहां डिज़ाइनर परिधान, आभूषण, दुल्हन के परिधान, फैशन एक्सेसरीज़ और कई शानदार प्रॉडक्ट नई रेंज के साथ उपलब्ध रहेंगे, जो लुक को संवारेंगे।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स

एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध रहेंगे।

दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों का हुआ विदाई समारोह

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। शहर के जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित शांतिनाथ हिंदी हाईस्कूल के दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित हुआ जिसमें अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष भंवरलाल जैन ने की व मुख्य अतिथि व वक्ता के रुप में रोटेरियन वासुकी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष महेन्द्र पालगोता, सचिव भरत भंडारी, कोषाध्यक्ष पूरण नाहटा, प्राचार्य कैथरिन आदि ने उपस्थित थे। मुख्य वक्ता वासुकी ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, अध्ययन, परिवार, समाज व देश के महत्त्व व उनका जीवन में उपयोगिता के बारे में जानकारी दी तथा श्रेष्ठ नागरिक बनने की प्रेरणा दी। कक्षा दसवीं की विद्यार्थी करिश्मा चौधरी, नरेशकुमार माली आदि ने अपने अनुभव साझा किए। समारोह का संचालन मन्नत राजपुरोहित, मनीषा चौधरी ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य शिविर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा संचालित आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर में तीन दिवसीय हेल्दी वूमेन शिविर में आधे मूल्य पर 85 महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य जांच करवाई गई। अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने कहा कि महिला समाज का बहुत अहम एवं मजबूत हिस्सा हैं। एटीडीसी प्रभारी नरेश बांठिया ने शिविर में सहयोग किया।

अमावस्या पर 'मातृछाया' ने की गौसेवा व अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा विश्व प्राणी कल्याण मंडल येडियूर गौशाला में गायों व अन्य पशुओं हेतु घास, दाना, चारा की व्यवस्था कराई व 61हजार राशि का चैक भेंट किया। गौशाला प्रबंधकों ने मातृछाया का आभार व्यक्त किया। मातृछाया जैन महिला संगठन की ओर से प्रति अमावस्या मानव सेवा व जीवदया के विशेष कार्य किये जाते हैं। अमावस्या के मौके पर संगठन द्वारा नेशनल कालेज के समीप अन्नदान का आयोजन किया जिसमें अध्यक्षा ललिता पी. नागोरी, त्रिशला दांतेवाड़िया, पुष्पा बाफना, हेमा बंदामुथा, जीना मेहता, मोनिका पालरेचा, पिंकी बंदामुथा, गीता संचेती, ललिता ए. नागोरी आदि सदस्याओं ने सेवा प्रदान की। मातृछाया की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि सदस्याओं द्वारा प्रतिदिन जीवदया भक्ति में श्वानों को दूध चावल, गायों को चारा रोटी, कबूतर को दाना पानी, कौओं को नमकीन व अन्य जीव जंतुओ को दाना खिलाया जाता है।

कब्बन पार्क में महिला सुरक्षा जागरुकता के साथ मनाया महिला दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, फेमिना विंग द्वारा महिला दिवस के मौके पर रविवार को कब्बन पार्क में 'फंडे संडे-वुमेनस डे स्पेशल' का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमेंअध्यक्ष हितेश गिरिया, उपाध्यक्ष संजय मालू, उपाध्यक्ष जितेंद्र आंचलिया, मंत्री पीयूष डागा, फेमिना विंग कन्वेनर प्रेशिता आच्छा उपस्थित थे। निशा जैन ने प्रेक्षाध्यान कराया।

संयुक्त सचिव वर्षा जैन ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष हितेश गिरिया ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर पुलिस सब इंस्पेक्टर मीनाक्षी एवं कविता को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। मीनाक्षी ने महिलाओं के सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। हितेश गिरिया ने भी कहा कि महिला पुलिस हमारे लिए बहुत सम्मान और आभार की पात्र हैं।हमारी सुरक्षा के लिए वे अपने परिवार से दूर रहते हैं और इतनी मेहनत करते हैं। फेमिना विंग की संयोजक प्रेशिता ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका सुधा जैन एवं निशा जैन थीं।

'आचार्य बुद्धिसागरसूरी केवल जैन संत ही नहीं अपितु जन संत थे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरपनहल्ली। शहर के अनंतनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने अपने गुरु आचार्यश्री बुद्धिसागरसूरीश्वरजी की 150वें जयंती के मौके पर गुणानुवाद करते हुए कहा कि इतिहास उनका ही बनता है जिनमें करिश्मा होता है। आचार्यश्री जप, तप व ज्ञान के त्रिवेणी संगम थे। उन्हें भगवान महावीर के वचनों में अथाह श्रद्धा थी। वे एक योगी संत व सिद्ध पुरुष थे। अंतकाल में जब गुरुदेव के शिष्य ने पूछा कि गुरुदेव अब हम किसकी शरण में रहेंगे तब आचार्यश्री ने उत्तर दिया कि मैं स्वयं धर्म की शरण में हूँ। आगे तुम सभी को भी धर्म की शरण में ही रहना है, मेरे जैसे

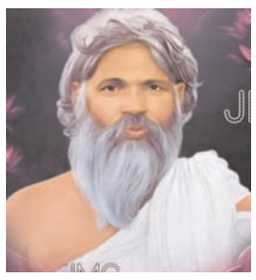

कितने आएंगे और जाएंगे पर धर्म हमेशा शाश्वत रहेगा, इसलिए धर्म की शरण में सबका कल्याण है। वीतराग धर्म ही तुम्हें पार लगायेगा। उन्होंने सदैव सबके आत्मकल्याण और जन कल्याण की ओर अपना ध्यान केन्द्रित किया। वे केवल जैन संत ही नहीं, जन संत थे। छोटे से जीवन में उन्होंने अनेक महान कार्य किये थे। इस गुणानुवाद सभा में दावनगेरे, कोट्टूर, हडगल्ली एवं एचबी हल्ली के श्रावक श्राविका उपस्थित थे।

जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी ने आयोजित किया महिला दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जूनियर चेम्बर इंटरनेशनल(जेसीआई) बेंगलूरु गार्डन सिटी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर व्यापार में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक सत्र का आयोजन किया जिसमें साइकोन पीएमसी प्राइवेट

लिमिटेड की सहसंस्थापिका सुशीमा विद्यारत्नराज ने 25 प्रतिभागियों के सामने अपनी विकास यात्रा के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने संभावनाओं का लाभ उठाना, जोखिम लेना और परिवार और पेशेवर जीवन को संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्तिक सोनेगरा ने की।

इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष चेतन पोरवाल, परियोजना प्रमुख नितिन जैन और परियोजना कार्यकारी पुनीत सुराना आदि उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com